केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 283 मंगलवार 7 मई 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

आमने-सामने की भिड़ंत में बाइक सवार की मौत, दो घायल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

भानपुर (बस्ती)। सोनहा थाना क्षेत्र के रूधौली भानपुर मार्ग पर सोमवार को भानपुर की तरफ से जा रहे स्कूटी सवार की सामने से आ रही मोटरसाइकिल सवार से भिड़ंत हो गई । मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भानपुर पहुंचाया जहां पर स्वास्थ्य परीक्षण करने के बाद डाक्टर सचिन चौधरी ने एक घायल को मृत घोषित कर दिया।

मिली जानकारी के अनुसार मृतक मुन्ना वर्मा 36 वर्ष पुत्र श्रीराम वर्मा रूधौली थाना क्षेत्र के महुवार के निवासी थे जो महुवार ग्राम पंचायत में रोजगार सेवक के पद पर कार्यरत थे । मुन्ना वर्मा का लोकसभा चुनाव में रूधौली विधानसभा क्षेत्र में उड़न दस्ते के साथ फोटोग्राफर के कार्य में लगाए गए थे । सोमवार की दोपहर लगभग 3 बजे जब वह घर वापस जा रहे थे तब खैरा के निकट यह दुर्घटना हुई ।

वहीं घायल मोटरसाइकिल सवार रूधौली थाना क्षेत्र के बभनी मिश्र गांव के निवासी थे जिसमें एक मोटरसाइकिल पर बैठ कर दो लोग विशाल कुमार पुत्र ढूनमुन व दीपक कुमार पुत्र रामभजन रूधौली की तरफ से भानपुर की तरफ जा रहे थे। घायलों की स्थिति गंभीर होने पर जिला अस्पताल रिफर कर दिया गया है। मौके पर पहुंची सोनहा पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्यवाही शुरू किया।

सामान्य प्रेक्षक पहुंची बस्ती

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । लोकसभा सामान्य निर्वाचन–2024 हेतु भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त सामान्य प्रेक्षक श्रीमती बबिता (आई०ए०एस०) तथा पुलिस प्रेक्षक रमेश चन्द्र छाजटा (आई०पी०एस०) का आगमन जनपद में हो गया है। उक्त जानकारी देते हुए एडीएम/उप जिला निर्वाचन अधिकारी कमलेश चन्द्र ने बताया कि दोनों प्रेक्षक सर्किट हाउस में ठहरे है।

उन्होने बताया कि सामान्य प्रेक्षक का मोबाइल नम्बर–9335472502 एवं टेलीफोन नं0 05542–297832 है। पुलिस प्रेक्षक का मोबाइल नम्बर–7839862829 एवं टेलीफोन नं0 05542–297834 है। उन्होने बताया कि सभी राजनैतिक दल एवं जनप्रतिनिधि चुनावी समस्याओं के सम्बन्ध में सामान्य प्रेक्षक से प्रातः 9 से 10 बजे तक भेट कर सकते है। इसी प्रकार पुलिस प्रेक्षक से सायं 5 से 7 बजे तक सर्किट हाउस के सभागार में भेंट कर सकते है।

पोस्टल बैलेट मतदान 22 से

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । लोकसभा सामान्य निर्वाचन–2024 के अन्तर्गत 61–बस्ती संसदीय निर्वाचन क्षेत्र का मतदान आगामी 25 मई को निर्धारित है। मतदान ड्यिूटी में लगे मतदान कार्मिक को पोस्टल बैलेट/ई.डी.सी. से मतदान की सुविधा प्रदान की जानी है। उक्त जानकारी देते हुए जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी अंद्रा वामसी ने बताया कि मतदान ड्यिूटी पर तैनात इस जनपद के मतदान कार्मिक एवं अन्य जनपदों के मतदान कार्मिक जो इस जनपद में मतदाता है, को शिवहर्ष किसान डिग्री कालेज बस्ती में स्थापित मतदाता सुविधा केन्द्र में मतदान कार्मिको के द्वितीय प्रशिक्षण दिनॉक आगामी 14 मई से 20 मई तक प्रातः 9 बजे से सायं 5 बजे तक पोस्टल बैलेट/ई.डी.सी. से मतदान की सुविधा प्रदान की जायेंगी।

उन्होने बताया कि रिटर्निंग आफिसर कार्यालय में स्थापित मतदाता सुविधा केन्द्र में दिनॉक 22 से 24 मई तक प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक पोस्टल बैलेट/ई.डी.सी. से मतदान की सुविधा प्रदान की जायेंगी।

जो देशभक्त वो रामभक्त–योगी

लखनऊ (आभा)। लोकसभा चुनाव के प्रचार में जुटे यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस, सपा और इंडी गठबंधन पर निशाना साधा है। सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस, सपा और इंडी गठबंधन के डीएनए में रामद्रोह है। सीएम योगी ने विपक्ष पर हमला करते हुए बड़ा आरोप लगाया है। सीएम योगी ने कांग्रेस पर राम भक्तों और सनातन का अपमान करने का आरोप लगाया है। हील ही में हुए पीएम मोदी के अयोध्या दौरे की चर्चा करते हुए सीएम योगी ने कहा कि वो पूर्णत रामभक्त हैं।

मुख्यमंत्री योगी ने कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि जो जितना राम विरोधी होगा वह उतना ही राष्ट्र विरोधी होगा। योगी ने कहा कि कांग्रेस का यह आचरण लगातार राम भक्तों का अपमान कर रहे हैं बल्कि हमारे सनातन राष्ट्र का भी अपमान कर रहे हैं। कांग्रेस ने देश–दुनिया के अंतर भारत को अपमानित कराया है।

उत्तर प्रदेश में भाजपा की सरकार को लेकर मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि हमारी सरकार अयोध्या के कायाकल्प के लिए तन–मन से जुटी हुई है। एक दिन पहले अयोध्या दौरे पर आये प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इंफ्रास्ट्रक्चर के विस्तार से लेकर कनेक्टिविटी बढ़ाने पर भी हमारा फोकस है। मोदी ने कहा कि यहां महर्षि वाल्मीकि अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट का निर्माण हो या अयोध्या धाम जंक्शन का पुनर्विकास, हमने इनमें विश्वस्तरीय सुविधाओं का ध्यान रखा है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि हमारी डबल इंजन सरकार इसके लिए प्रतिबद्ध है कि देश–दुनिया के कोने–कोने से यहां आने वाले श्रद्धालुओं और तीर्थयात्रियों को किसी तरह की कठिनाई ना हो। उत्तर प्रदेश की सियासत पर सपा पर जुबानी हमला करते हुए उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि मैनपुरी में जो हुआ वो निंदनीय है। ब्रजेश पाठक ने कहा कि महापुरुषों का हमेशा सपा ने अपमान किया है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की अराजकता सपा के लोगों के डीएनए में है। जब भी वे सत्ता में रहे हैं उन्होंने उत्तर प्रदेश को दंगो की आग में झोंका है।

राजनीति के लिए किसी भी हद तक जा सकती है भाजपा-अखिलेश

लखनऊ (आभा)। लोकसभा चुनावों को बीच मैनपुरी में महाराणा प्रताप की प्रतिमा को लेकर राजनीतिक सियासत गर्मा गई है। भाजपा ने जहां सपा को आड़े हाथों लेते हुए महाराणा प्रताप के अपमान का आरोप लगाय तो तो सपा ने इसके लिए भाजपा की जवाबदेह ठहरा दिया। पूरे मामले में पुलिस की सक्रियता के चलते दो एफआईआर भी सौ से अधिक अज्ञात लोगों पर

दर्ज कर ली गईं। अब इसे लेकर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है कि नाकारात्मक राजनीति करने वालों की इस बार हार होगी। जो गड्ढा खोदते हैं वह खुद उसमें गिरते हैं।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा, 'सपा ने हमेशा महाराणा प्रताप जी का सम्मान किया है। राजनीति के लिए भारतीय जनता पार्टी कुछ भी कर सकती है। किसी भी सीमा तक जा सकती है। भाजपा की बातें झूठी, वादे झूठे हैं। देश के प्रधानमंत्री एक रैली में बातें झूठी, वादे झूठे को रीपीट कर रहे थे। ये लाइनें हमारी, मोहम्मद दिन साहब साहब की हैं। उन्होंने एक कविता लिखी थी जिससे पहले हम लोग इसके बारे कह रहे थे कि बातें झूठी, झूठे वादे। आज ये बात उनके ही मुंह पर आ गई हैं। हो सकता है। वह भाजपा को बताना चाहते हों कि बहुत झूठ बोल लिया अब जनता सच सुनना चाहती है।

राम प्रसाद की जीत के लिये इण्डिया गठबंधन ने झोंकी ताकतः सभा में निशाने पर रही भाजपा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। देश की संवैधानिक संस्थाओं और मीडिया को काबू कर भाजपा ने तांडव मचा रखा है। जनता द्वारा चुने गये सांसद विधायक बेवजह, बगैर सबूत जेल भेजे जा रहे हैं। जनता भाजपा की पूरी हकीकत जान जाये तो 40 पार नही होगा 400 पार तो मजाक लगता है। यह बातें इण्डिया अलायंस के लोकसभा प्रत्याशी रामप्रसाद चौधरी ने कही।

वे सल्टौवा ब्लाक मुख्यालय पर आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन व जनसभा को बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधित कर रहे थे। उन्होने कहा जनता को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी और 25 मई को एक ऐसा प्रत्याशी चुनकर देश की सबसे बड़ी संसद में भेजना होगा जो जवाबदेह हो और जनसमस्याओं को लेकर

-तानाशाही से लड़ रही है 140 करोड़ जनता- राम प्रसाद
- कांग्रेस के घोषणा पत्र में है भारत का भविष्य-बसन्त

संवेदनशील हो। उन्होने कहा भाजपा किसानों, नौजवानो, महिलाओं, व्यापारियों, कर्मचारियों किसी की हितैषी नही है। अपराध, बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार सब चरम पर है। 4 जून को इण्डिया गठबंधन को बहुमत मिला तो देश की जनता को फर्जी राष्ट्रवाद से छुटकारा मिलेगा और सरकार का हर कदम भारत को शक्तिशाजी और आत्मनिर्भर बनाने को उठेगा।

रूधौली विधायक राजेन्द्र चौधरी ने कहा झूठ बोलकर मिली कामयाबी ज्यादा देर तक नही टिकती। जनता 10 साल से बहुत बर्दाश्त कर रही है। इस बार पूरे देश में नफरत की दुकान बंद होगी और लोगों को गर्व के साथ सामान्य जीवन जीने का हक मिलेगा। बस्ती सदर के विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने कहा भाजपा जिन वसूलों को लेकर सत्ता में आई थी एक एक कर सभी नेस्तनाबूत हो चुके हैं। अब पार्टी सत्ता में बने रहने के लिये नीचता की हद तक जाने को तैयार है। खुशी इस बात की है कि राहुल गांधी और अखिलेश यादव ने भाजपा के सारे धागे खोल दिये हैं अब जनता समझ चुकी है भाजपा ने कितने झूठ बोले हैं और कितने अपराधियों और दुराचारियों को पार्टी में बुलाकर महिमामण्डित किया है।

कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष ज्ञानेन्द्र पाण्डेय ने कहा यह चुनाव बहुत खास है, इसमे सत्ताधारी पार्टी से कोई पार्टी या नेता नही लड़ रहा है बल्कि 140 करोड़ जनता एक तानाशाह से लड़ रही है। सभी जानते हैं तानाशाह का कभी सुखद अंत नही होता है। पूर्व विधानसभा प्रत्याशी देवेन्द्र कुमार श्रीवास्तव ने कहा भाजपा के घोषणा पत्र में क्या है जनता को नही मालूम है, लेकिन इण्डिया गठबंधन व कांग्रेस की एक एक गारण्टी सभी को मालूम है। पूरा देश ऐतिहासिक नतीजों का इंतजार कर रहा है। कार्यक्रम के आयोजक कांग्रेस के पूर्व लोकसभा प्रत्याशी बसंत चौधरी ने कहा काठ की हांडी बार बार चूल्हे पर नही चढ़ाई जाती। जनता दो बार भाजपा को मौका दे चुकी है। इस बार इण्डिया गठबंधन व कांग्रेस पार्टी के घोषणा पत्र का डंका बज रहा है, हर नौजवान, किसान, महिलायें, कर्मचारी इसमे अपना भविष्य देख रहे हैं।

बस्ती के स्थापना दिवस पर काटा गया 11 किलो का केकः साझा हुई खुशियां

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सोमवार को बस्ती का 159 वाँ स्थापना दिवस समारोह धूम धाम से मनाया गया। प्रेस क्लब में आयोजित कार्यक्रम में 11 किलो का केक काटा गया और सभागार में खचाखच भरी भीड़ ने बोला हैप्पी बर्थडे बस्ती। बस्ती के थीम सॉन्ग 'नगर है ये खास नाम इसका बस्ती' पर जमकर डांस हुआ । काव्य गोष्ठी और परिचर्चा में बस्ती के पौराणिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पन्नो को उकेरा गया। कार्यक्रम संयोजक राना दिनेश प्रताप सिंह ने देश और दुनिया में बसे सभी बस्ती वासियों को स्थापना दिवस की बधाई देते हुए कहा कि जनपद के विकास और सम्मान में हम सभी को अपनी भूमिका

तय करनी होगी। उन्होंने कहा कि महर्षि वशिष्ठ की इस पावन भूमि का गौरवशाली इतिहास स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। श्री राना ने कहा कि स्वतंत्रा संग्राम में बस्ती के रणबाकुरों ने देश के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया था। पत्रकार प्रदीप पांडेय ने आयोजन की सराहना करते हुए बस्ती की स्थापना से वर्तमान की स्थितियों पर विस्तार से विचार रखा। डा राम कृष्ण लाल जगमग ने अपने मुक्तकों से सभी को भाव विभोर कर दिया। प्रेस क्लब के अध्यक्ष विनोद उपाध्याय ने बस्ती की गाथा सुनाकर खूब तालियां बटोरी। कवि अफजल हुसैन , डा अजीत श्रीवास्तव, अर्चना श्रीवास्तव ने अपनी कविताओं से बस्ती की प्रशंसा किया। मास्टर शिव के शिष्य आदित्य के नृत्य ने सभी को दांतो तले उंगली दबाने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम का संचालन भजन गायक अविनाश श्रीवास्तव ने किया जबकि अध्यक्षता पूर्व जिला पंचायत सदस्य और भाजपा नेता कपिलदेव सिंह मम्मू ने किया। इस अवसर पर वशिष्ठ मंदिर के अध्यक्ष शतीश मिश्रा, कोरियोग्राफर अश्वनी राज,अपूर्व शुक्ला, परमात्मा मधेशिया, बिनेंद्र सिंह,शतेंद्र श्रीवास्तव, अश्वनी श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

यूपी की 10 सीटों पर मतदान 7 को

लखनऊ (आभा)। लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण के मतदान की सभी तैयारियां पूरी करने का दावा निर्वाचन आयोग ने किया है। यूपी की 10 लोकसभा सीटों पर क 7 मई को मतदान होगा, जिसके लिए सोमवार को सभी पोलिंग स्टेशनों के लिए जिला मुख्यालयों से पोलिंग पार्टियों रवाना हो गई हैं। निर्वाचन आयोग के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि सम्भल, हाथरस (अजा), आगरा (अजा), फतेहपुर सीकरी, फिरोजाबाद, मैनपुरी, एटा, बदायूं, आंवला और बरेली लोकसभा क्षेत्र में सुबह 7.00 से शाम 6.00 बजे तक मतदान होगा।

जानकारी देते मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा. ने बताया कि 10 लोकसभा क्षेत्रों में तीसरे चरण में 1 करोड़ 89 लाख 14 हजार 788 मतदाता हैं. जिसमें 1 करोड़ 01 लाख 44 हजार 345 पुरुष व 87 लाख 69 हजार 696 महिला और 747 थर्ड जेण्डर मतदाता हैं. इसी तरह 10 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में कुल 100 प्रत्याशी मैदान में हैं, जिनमें 8 महिला हैं. तीसरे चरण में सबसे अधिक 13 प्रत्याशी बरेली एवं सबसे कम 7 प्रत्याशी फिरोजाबाद लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में हैं. उन्होंने बताया कि तीसरे चरण चुनाव के लिए कुल 20,415 पोलिंग बूथ और 12,339 मतदान केन्द्र बना गए हैं. इनमें से 4390 क्रिटिकल मतदान केंद्र हैं। मतदान के लिए 88,420 कर्मचारियों की लगी ड्यूटीः मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मतदान पर सख्त नजर रखने के लिए आयोग द्वार व्यापक व्यवस्था की गयी है।

बसपा ने बदला बस्ती, जौनपुर से प्रत्याशी, भाजपा ने लिया राहत की सांस

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बीएसपी सुप्रीमो मायावती ने बस्ती से घोषित उम्मीदवार दया शंकर मिश्रा का टिकट काट दिया है। बीएसपी ने लव कुश पटेल को अब अपना उम्मीदवार बनाया है। लव कुश पटेल ने अपना नामांकन दाखिल कर दिया है।

पहले घोषित उम्मीदवार दया शंकर मिश्रा बीजेपी में सीनियर लीडर थे और टिकट न मिलने की वजह से बीएसपी में शामिल गये थे और मायावती ने उन्हे टिकट भी दे दिया था।

लेकिन बदले राजनीतिक घटनाक्रम में बीएसपी ने अब वहां से लव कुश पटेल को चुनाव में उतारा है। बीजेपी से वर्तमान सांसद हरीश द्विवेदी और समाजवादी पार्टी से राम प्रसाद चौधरी चुनाव मैदान में हैं। बसपा के इस निर्णय से भाजपा प्रत्याशी हरीश द्विवेदी ने जहां राहत की सांस लिया है वहीं गठबंधन प्रत्याशी राम प्रसाद चौधरी की मुश्किलें बढ गई है।

बसपा सुप्रीमों मायावती ने जौनपुर के बाद बस्ती में भी बसपा प्रत्याशी बदल दिया है। बस्ती से घोषित दयाशंकर मिश्रा की जगह लवकुश पटेल को टिकट दिया गया है। इससे पहले जौनपुर में धनंजय सिंह की पत्नी श्रीकलां का टिकट काटते हुए श्याम सिंह यादव को दोबारा मौका दिया है। जौनपुर में ठाकुर और बस्ती में ब्राह्मण प्रत्याशी का टिकट काटकर दोनों इलाकों में ओबीसी प्रत्याशियों को उतार दिया गया है। इसे मायावती की खास रणनीति का हिस्सा बताया जा रहा है। इस बदलाव से जहां भाजपा ने राहत की सांस ली है तो सपा–कांग्रेस की परेशानी बढ़ गई है। दोनों सीटों पर प्रत्याशी बदले जाने के बाद सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भी बसपा पर हमला बोला है। अखिलेश ने कहा कि बसपा को वोट देने का मतलब अपना वोट खराब करना है। वो लोग भाजपा का साथ दे रहे हैं, चाहे सामने से चाहे पीछे से साथ दे रहे हैं। अखिलेश ने बसपा के वोटरों से कहा कि इसलिए मैं आप सभी से अपील करता हूं कि अपना वोट मत खराब कीजिए। कहा कि बहुजन समाज पार्टी का रास्ता कुछ और है।

–बस्ती में नामांकन करने जाते बसपा प्रत्याशी लवकुश पटेल

बस्ती में पहले प्रत्याशी घोषित किए गए दयाशंकर मिश्रा की गिनती भाजपा के वरिष्ठ नेताओं में होती थी।भाजपा से टिकट नहीं मिलने पर बसपा में शामिल हो गए थे। बसपा से टिकट भी मिल गया। दयाशंकर मिश्रा का टिकट कटने से भाजपा ने राहत की सांस ली है। भाजपा ने यहां से हरीश द्विवेदी को उतारा है। इससे ब्राह्मण वोटों के बंटने का खतरा बढ़ गया था। अब ओबीसी नेता लवकुश पटेल के उतरने से सपा–कांग्रेस के संयुक्त प्रत्याशी राम प्रसाद चौधरी की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

इसी तरह की स्थिति जौनपुर में भी बना रही है। यहां से भाजपा ने कृपाशंकर सिंह को उतारा है। बसपा ने धनंजय की पत्नी श्रीकलां को उतारकर ठाकुर मतों में बिखराव तय कर दिया था।अब श्रीकलां की जगह श्याम सिंह यादव के उतरने से जहां भाजपा ने राहत की सांस ली है तो सपा की परेशानी बढ़ रही है। पिछली बार श्याम सिंह यादव सपा–बसपा के संयुक्त प्रत्याशी थे। इस बार भी श्याम सिंह यादव सपा से टिकट के लिए लगातार कोशिश कर रहे थे। जब बाबू कुशवाहा को सपा ने टिकट दिया तो श्याम सिंह ने नाराजगी सार्वजनिक भी की थी। एक लेटर जारी कर अखिलेश यादव को उनकी बातें याद दिलाईं थीं। इसके साथ ही चुनाव नहीं लड़ने का ऐलान किया था। अब बसपा से दोबारा टिकट मिलने पर श्याम सिंह यादव गदगद हैं। उन्होंने अपना नामांकन भी दाखिल कर दिया है।

साहित्यकारों, कवियों ने उल्लास के साथ मनाया बस्ती का 159 वां स्थापना दिवस

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सोमवार को बस्ती वरिष्ठ नागरिक कल्याण समिति द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर में वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम प्रकाश शर्मा के संयोजन में बस्ती जनपद का 159 वां स्थापना दिवस संगोष्ठी के साथ मनाया गया।

मुख्य वक्ता डा. राम नरेश सिंह मंजुल ने कहा कि बस्ती स्वयं में आध्यात्म, साहित्य और प्रगति के विविध आयाम समेटे हुये है। सन् 1801 में बस्ती तहसील मुख्यालय बना और फिर 6 मई 1865 को जनपद मुख्यालय बनाया गया। इसके बाद सन् 1988 में उत्तरी हिस्से को काटकर सिद्धार्थनगर जिला बनाया गया जिसे पहले डुमरियागंज नाम से जाना जाता था, इस जिले में बांसी और नौगढ़ भी आते हैं, यहां कपिलवस्तु भी हैं, जहां बुद्ध ने अपने जीवन के शुरुआती समय व्यतीत किये थे, यहां से 10 किलोमीटर पूर्व लुंबनी में बुद्ध का जन्म हुआ था।

वरिष्ठ चिकित्सक, साहित्यकार डा. वी.के. वर्मा ने कहा कि कभी 'भारतेन्दु हरिश्चन्द्र ने कहा था कि बस्ती को बस्ती कहूं तो काको कहूं उजाड़' आज यही बस्ती निरन्तर विकास की ओर है। कहा कि बस्ती का इतिहास बहुत समृद्ध है और मखौड़ा, छावनी शहीद स्थली के साथ ही अनेक पौराणिक स्थल हैं जो इसकी पहचान है। कहा कि सन् 1997 में पूर्वी हिस्से को काटकर संतकबीरनगर जिला बनाया जिसे खलीलाबाद के नाम से भी जाना जाता है, यहां महात्मा कबीर ने प्राण त्यागे थे। इसके बाद जुलाई 1997 में बस्ती मंडल मुख्यालय बना दिया गया। फिलहाल इस मंडल में बस्ती, संतकबीरनगर और सिद्धार्थनगर जनपद आते हैं। जनपद निरन्तर प्रगति की ओर है।

कार्यक्रम संयोजक वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम प्रकाश शर्मा ने कहा कि बस्ती का इतिहास जहां समृद्ध है वहीं वर्तमान प्रगति की ओर है। प्राचीन काल में बस्ती को भगवान राम के गुरु वशिष्ठ ऋषि के नाम पर वाशिष्ठी के नाम से जाना जाता रहा। कहा जाता है कि उनका यहां आश्रम था, अंग्रेजों के जमाने में जब यह जिला बना तो निर्जन, वन और झाड़ियों से घिरा था, लोगों के प्रयास से यह धीरे–धीरे बसने योग्य बन गया। कहा कि समिति के अध्यक्ष बी.एन. शुक्ल के बस्ती के इतिहास पर विस्तार से प्रकाश डाला।

बस्ती जनपद के 159 वां स्थापना दिवस पर आयोजित संगोष्ठी में डा. रामकृष्ण लाल 'जगमग' पं. बी.के. मिश्र, ओम प्रकाश धर द्विवेदी, पेशकार मिश्र, डा. अफजल हुसेन अफजल, त्रिभुवन प्रसाद मिश्र. राघवेन्द्र शुक्ल, ओम प्रकाश पाण्डेय, डा. बाबूराम वर्मा, अजीत श्रीवास्तव, आदि ने बस्ती के इतिहास पर रोशनी डाली। कवियों ने रचना के माध्यम से बस्ती की माटी पर काव्य पाठ किया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से अजमत अली सिद्दीकी, लालजी पाण्डेय, कृष्णचन्द्र पाण्डेय, दीनानाथ यादव, सामईन फारूकी, नेबूलाल चौधरी, श्रीकान्त तिवारी, गणेश प्रसाद, राघवेन्द्र शुक्ल, विनोद कुमार भट्ट के साथ ही अनेक लोग उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 7 मई 2024 मंगलवार

सम्पादकीय

मणिपुर पर चुप्पी क्यों ....?

लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण में 7 मई को मतदान होगा। इस बीच चौथे चरण के लिये चुनावी रैली, भाषणों, सम्पर्क का सिलसिला जारी है। विडम्बना ही है कि विपक्ष ने मणिपुर का मुद्दा उठाया किन्तु सत्तारूढ भाजपा और प्रधानमंत्री का मौन मणिपुर पर जारी है।

कभी बेहद शांत कहे जाने वाले मणिपुर में हिंसक संघर्ष शुरू हुए एक साल बीत चुका है। बीते साल तीन मई से राज्य में जातीय संकट के भयावह दृश्य नजर आये थे। जातीय संकट से जूझ रहे राज्य में बहुसंख्यक मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने के विरोध में 'आदिवासी एकजुटता मार्च' कालांतर हिंसक संघर्ष में बदल गया था। इसके बाद मणिपुर की घाटी में रहने वाले मैतेई व पहाड़ियों में रहने वाले आदिवासी कुकी समुदाय के बीच हिंसक झड़पे शुरू हो गई थीं। बताते हैं कि संघर्ष में भाजपा शासित इस राज्य में दो सौ से अधिक लोगों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा है। इतना ही नहीं, संघर्ष में हजारों लोग विस्थापित हो चुके हैं। जो विभिन्न शरणार्थी शिविरों में अपने दिन गुजार रहे हैं। यह विडंबना ही है कि केंद्र व राज्य सरकारें दोनों समुदायों के बीच उत्पन्न मतभेदों को दूर करने में विफल रही हैं। जिसके चलते राज्य में शांति व सामान्य स्थिति की बहाली नहीं हो पायी है। विपक्षी दल कुशासन व अक्षमता के आरोप लगाकर लगातार मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह को हटाने की मांग करते रहे हैं। लेकिन भाजपा उनके साथ लगातार खड़ी नजर आई। हालांकि, बीते साल स्वतंत्रता दिवस समारोह के मौके पर अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घोषणा की थी कि पूरा देश मणिपुर के साथ खड़ा है। यह भी कि केंद्र और राज्य सरकारें इस जटिल मुद्दे के समाधान के लिये यथासंभव प्रयास करेंगी।

हालांकि, कई बार केंद्र सरकार की ओर से हिंसा प्रभावित राज्य में कानून–व्यवस्था की स्थिति में सुधार की बात भी कही गई। वहीं दूसरी ओर विपक्ष लगातार आरोप लगाता रहा है कि प्रधानमंत्री देश–दुनिया की यात्राएं लगातार करते हैं लेकिन उन्होंने मणिपुर जाकर दूरियां घटाने का प्रयास नहीं किया। विपक्ष कहता रहा है कि केंद्र सरकार ने मणिपुर के लोगों को उनकी किस्मत के भरोसे छोड़ दिया। कहा जाता रहा है कि केंद्र की राजनीति में मणिपुर की बड़ी भूमिका नहीं होती, इसलिए इस संकट के समाधान की तरफ गंभीर पहल नहीं हुई। दरअसल, राज्य से दो ही सांसद चुने जाते हैं, इसलिये चुनाव को लेकर शेष भारत जैसी गहमागहमी राज्य में नजर नहीं आई। इसके बावजूद अच्छी बात यह है कि इस दुरूस्वप्न के बाद भी मणिपुरियों की लोकतंत्र में आस्था को कम नहीं किया जा सका। लोगों ने शेष भारत से अधिक प्रतिशत में अपने मताधिकार का प्रयोग किया। असामाजिक तत्वों द्वारा ईवीएम को नुकसान पहुंचाने तथा मतदाताओं को धमकाकर मतदान को बाधित करने के प्रयासों को लोगों ने भारी मतदान से निरर्थक बना दिया। ऐसे में केंद्र व राज्य सरकारों को अपने व्यवहार में धीरता–गंभीरता लानी चाहिए।

पिछले साल अगस्त में एक संसदीय बहस के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने राज्य में शांति की अपील की थी। ये अपील तब आई जब विपक्षी नेता उन पर चुप्पी साधने का आरोप लगा रहे थे। विपक्ष के नेताओं का कहना था कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार में एक तरफ जातीय संघर्ष से मणिपुर जल रहा है दूसरी तरफ वो चुप्पी साधे हुए हैं। इस साल फरवरी–मार्च में प्रधानमंत्री मोदी ने पूर्वोत्तर के असम, त्रिपुरा और अरुणाचल प्रदेश का दौरा किया लेकिन मणिपुर नहीं गए. उन्होंने असम के तीन दौरे, त्रिपुरा और अरुणाचल प्रदेश का एक–एक दौरा किया है। प्रधानमंत्री की मणिपुर पर चुप्पी सवालों के घेरे में है।

जरूरत इस बात की है कि मणिपुर में उन समूहों व संगठनों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए जो दोनों समुदायों के जख्मों पर मरहम लगाने का काम कर सकें। मणिपुर की तनावपूर्ण स्थितियों को काफी समय हो चुका है। यह राज्य अंतर्राष्ट्रीय सीमा के निकट एक संवेदनशील क्षेत्र है। इस सीमावर्ती राज्य में शांति और स्थिरता लाने के लिये नीतियों में बदलाव लाने की सख्त जरूरत है।

सफलता के सपनों का कारोबार और सृजन

–अविजीत पाठक–

जैसा कि होता है, यूपीएससी की सिविल सेवा परीक्षा के परिणाम मीडिया और लोगों का ध्यान खींचते हैं, 'टॉपर्स' के दमकते चेहरों की फोटो चहुंओर दिखने लगती है ब्रांड बन चुके कोचिंग सेंटरों की ओर से जारी विज्ञापनों से शहरों में बिल बोर्ड्स से लेकर अग्रणी अखबारों के मुखपृष्ठ तक पट जाते हैं। यही कुछ विभिन्न शिक्षा बोर्डों से संबद्ध स्कूलों के परीक्षा परिणाम आने पर होता है, तब भी यह प्रक्रिया दोहराई जाती है– अर्थात भौतिकी, रसायन, गणित और जीव–विज्ञान में शानदार प्रदर्शन कर दिखाने वाले 'टॉपर्स' किशोर–किशोरियों की 'सफल' छवि का निर्माण करना!

ऐसी 'सफलता गाथाएं' सुन–सुनकर मैं थक चुका हूं, बल्कि, मेरी रुचि व्यवस्था की वह नब्ज पकड़ने में है, जो चुनींदा 'सफलता' की चकाचौंध फैलाकर वास्तव में 'असफलता' का निर्माण कर रही है। गौरतलब है, भारत भर में यूपीएससी कोचिंग उद्योग का सालाना कारोबार लगभग 3000 करोड़ है। यदि दिल्ली के मुखर्जी नगर और करोल बाग की छोटी–बड़ी गलियों में जाएं और युवा अभ्यर्थियों से बात करें जो भविष्य के इंजीनियर, डॉक्टर, पीएचडी, यूनिवर्सिटी विद्यार्थी बनना चाहते हैं तब आपको महसूस होगा 'सफलता के सपने' की ताकत का, जिसके जरिये कोचिंग सेंटरों के नामचीन गुरुओं ने अपने नोट्स, लेक्चर, गाइड पुस्तकों, इंटरव्यू रणनीति और यहां तक कि अपने प्रेरणास्पद भाषणों से इन चाहवानों को फांस रखा है।

बहरहाल, यह सपना खूब बिक रहा है क्योंकि हम एक ऐसे समाज में रह रहे हैं जो 'ताकत' की पूजा करता हैदृ जरूरी नहीं वह ताकत ज्ञान और अक्ल की हो, वह राजनीतिक–प्रशासनिक एवं आर्थिक भी हो सकती है। छोटे शहरों और गांवों के असंख्य मध्यवर्गीय अभिभावकों के लिए, यह बहुत मायने रखता है यदि उनका बेटा या बेटी जिला उपायुक्त या पुलिस कप्तान बन जाए, क्योंकि इस पद के साथ ताकत, विशेषाधिकार और ग्लैमर स्पष्ट रूप से जुड़े हैं। इससे स्थानीय समाज में उनका रुतबा और हैसियत ऊंची हो जाती है। बेशक, यूपीएससी परीक्षा उत्तीर्ण कर लेने की मिथकीय सफलता का अपना सम्मोहन है। हालांकि, अनुपात के हिसाब से 'सफल' होने वालों की संख्या बहुत कम है (मसलन, 2023 में 13 लाख अभ्यर्थी यूपीएससी की प्री–लिम परीक्षा में बैठे थे लेकिन आखिर में 1016 ही चुने गए), फिर भी यह धंधा फल–फूल रहा है। जहां हम 'सफलता गाथाओं' की महिमा गाते हैं, वहीं कोचिंग की ये दुकानें असफल रहे उम्मीदवारों का कितना मानसिक एवं बौद्धिक नुकसान कर रही हैं, उस पर गौर करने में विफल रहते हैं।

जरा सोचिए, यह मिथकीय सफलता पाने को अधिकांश प्रत्याशी पांच से छह साल लगातार प्रयासरत रहते हैं, इस बीच इतिहास, भूगोल, समाज विज्ञान, मनोविज्ञान व सामान्य ज्ञान के नोट्स रात–दिन रटते हैं, भारी मात्रा में पैसा लगता है, फिर भी बारम्बार असफल होते हैं! हां, यह अमानवीय और मशीनी तंत्र उन्हें खत्म कर रहा है मनोवैज्ञानिक और बौद्धिक रूप से। इनमें कइयों के लिए, असफलता के आघात से जख्मी हुए स्वाभिमान से उबरना, उम्मीद एवं रचनात्मकता के साथ जीवन को पुन रू परिभाषित करना मुश्किल हो जाता है।

आगे, समूचा तंत्र उच्चतर शिक्षा के मूल उद्देश्य को बहुत नुकसान पहुंचा रहा है। अवश्य ही, यदि कोई आईआईटी–कानपुर से इंजीनियर अथवा नई दिल्ली के एम्स से डॉक्टर बनकर निकले या पुलिस अफसर या टैक्स कमिश्नर बने, तो यह 'देवत्व' पाने जैसा नहीं है। इसी प्रकार, यदि किसी अग्रणी यूनिवर्सिटी से इतिहास का छात्र सिविल परीक्षा की तैयारी के चक्कर में, अपनी सामान्य कक्षाएं लगातार न लगाए, एरिक हॉब्सबॉम या इरफान हबीब जैसों को भूल जाए, और मुख्य ध्यान सिर्फ कोचिंग सेंटरों के रणनीतिकारों द्वारा दिए नोट्स या कुंजियों पर केंद्रित रखे (हां, यू–ट्यूब पर ऐसे कइयों के लाखों की संख्या में फॉलोवर्स हैं), यह संकेतक है नुकसान की उस तीव्रता का जो कोचिंग सेंटरों के धंधेबाजों ने हमारे विश्वविद्यालयों में खोजपरक अध्यापन और अनुसंधान की प्रगति का कर डाला है। हम यह भूल चुके हैं कि एक जीवंत राष्ट्र को जरूरत है महान भौतिक विज्ञानी, राजनीतिक दर्शनशास्त्रियों, समाज शास्त्रियों और साहित्य आलोचकों कीदृ न कि केवल जिला आयुक्तों और पुलिस कमिश्नरों की।

अफसोस कि सामाजिक–डार्विनवाद के सिद्धांत से पनपी इस किस्म की परम–प्रतिस्पर्धात्मक मानसिकता स्कूली विद्यार्थियों तक की आत्म–धारणा में बदलाव ला रही है। उन तरीकों को देखिये, जिस तरह बिल बोर्डों पर बोर्ड परीक्षा के 'टॉपर्स' की छवियां चस्पां की जाती हैं या मानक बना दिए गए जेईई एवं नीट जैसे टेस्टों का निर्माण किया गया है, यह तरीका है लड़के–लड़कियों को रातों–रात 'सितारा' बनाने का और 'विशेष' होने का यकीन करवाने का खेल है। पुनश्चः, सफलता का महिमामंडन करने के तरीके में हम असफल रहे हजारों–हजार युवाओं के मानस को पहुंची पीड़ा, ठेस, शर्मिंदगी की तीव्रता को नजरअंदाज कर देते हैं। कब जाकर हम यह समझेंगे कि हमारी स्कूली शिक्षा में सब कुछ सही नहीं है? कब हमें अहसास होगा कि स्कूलों में लागू पाठ्यक्रम, तकनीकी निगरानी और एकल आयामी, परीक्षा–आधारित, किताबी ज्ञान वाली प्रणाली अक्सर उन विद्यार्थियों को उचाट कर देती है जो स्कूली पढ़ाई से परे, कुछ कल्पनाशील और अधिक रोमांचक करने के पीछे 'पागल' हैं। अपने प्रामाणिक अध्ययन में, जॉन होल्ट (हाऊ चिल्ड्रन फेल) और कर्स्टन ऑल्सन (वूंडेड बाई स्कूल) शिक्षा पद्धति के घातक परिणामों के बारे में याद दिलाते हैं, जिसमें सृजनात्मकता से ज्यादा ढर्रे को अधिमान है, जो छात्र की रुचियों का दमन करती हैं और जिसे सीखने–सिखाने वाले में फर्क की शिनाख्त नहीं है। वास्तव में, यहां वह व्यवस्था है जो कुछ अलग करने की ललक रखने वालों में बहुतों का मजाक उड़ाकर उनके चाव को खत्म और कल्पनाशीलता को कुंद कर देती है।

इस नाजुक उम्र में बहुत से युवाओं के लिए असफलता के कलंक से उबर पाना आसान नहीं होता। अफसोस कि हम उनकी सृजनशील सामर्थ्य का फायदा नहीं उठा पाते। लिहाजा थकावट, ऊबाऊपन और एकाकीपन की भावना से उनकी कल्पनाशीलता और अर्थपूर्ण जीवन के प्रति उत्साह बुझ जाता है। इस 'सुरक्षा–आसक्त' दुनिया में, उनका दर्द समझने की परवाह किसे है। इस बीच, हमारे 'सफल' युवा खुशी–खुशी बने–बनाए ढर्रे में ढल जाते हैं, कोई हैरानी नहीं कि उनके लिए अपने 'सुरक्षित' और 'स्थाई' पेशे से परे जीवन की राह सोच पाना मुश्किल होदृ मसलन, नव–उदारवाद के बाजार के विस्तार के लिए दिन–रात खटता कोई टेक्नो–मैनेजर या कोई प्रशासक अथवा नौकरशाह जो यथास्थिति बनाए रखने वाले प्रशासन की हां में हां मिलाने वाला हो। इस दौरान, राजस्थान के कोटा से लेकर दिल्ली के मुखर्जीनगर तक कोंचिग उद्योग ने अपना मुनाफादायक धंधा फैला लिया है और 'सफलता' का सपना जमकर बेच रहे हैं, भविष्य को लेकर चिंता–ग्रस्त मध्य वर्ग पर डोरे डाल रहे हैं और युवा दिमाग के सृजनशील बागीपन को कुचल रहे हैं।

–लेखक समाजशास्त्री हैं।

भारत के विरुद्ध अमेरिकी एजेंसियों का दुष्प्रचार

— कमलेश पाण्डेय—

भारत सरकार ने अमेरिका की एक प्रतिष्ठित एजेंसी अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता पर अमेरिकी आयोग (यूएससीआईआरएफ) पर भारत में जारी आम चुनाव 2024 की प्रक्रिया में हस्तक्षेप करने का आरोप लगाया है। क्योंकि गत दिनों ही यूएससीआईआरएफ की तरफ से धार्मिक आजादी पर एक रिपोर्ट जारी की गई, जिसमें भारत में धार्मिक आजादी की स्थिति को चिंताजनक बताते हुए इसकी स्थिति लगातार खराब होने की बात कही गई है। यही वजह है कि भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यूएससीआईआरएफ को राजनीतिक एजेंडे वाला पक्षपाती संगठन करार दिया है। यही नहीं, उन्होंने सालाना स्तर पर जारी होने वाली इस रिपोर्ट को राजनीतिक प्रोपेगंडा कहा है। बकौल रणधीर जायसवाल, ष्यूएससीआईआरएफ को राजनीतिक एजेंडे वाले पक्षपाती संगठन के रूप में जाना जाता है। इसने वार्षिक रिपोर्ट के हिस्से के रूप में भारत के बारे में अपना दुष्प्रचार प्रकाशित करना जारी रखा है। हमें वास्तव में ऐसी उम्मीद भी नहीं है कि यह आयोग भारत की विविधतापूर्ण, बहुलतावादी और लोकतांत्रिक मूल भावना को समझने की कोशिश भी करेगा। उनके द्वारा दुनिया की सबसे बड़ी चुनावी प्रक्रिया में हस्तक्षेप करने के लिए किए गए प्रयास कभी सफल नहीं होंगे।'

यूँ तो अमेरिका की चुनाव प्रक्रिया के दौरान वहां के राजनीतिक दल और राजनेता कभी चीन तो कभी रूस पर हस्तक्षेप करने का आरोप लगाते रहे हैं, लेकिन अब भारत सरकार के विदेश मंत्रालय ने बजाप्ता प्रेस कांफ्रेंस करके अमेरिका की प्रतिष्ठित एजेंसी यूएससीआईआरएफ पर भारत में जारी चुनाव प्रक्रिया में हस्तक्षेप करने का जो आरोप लगाया है, उसके गहरे निहितार्थ हैं। क्योंकि यह पहला मौका है जब भारत ने किसी अमेरिकी एजेंसी पर लोकतांत्रिक तरीके से होने वाली चुनावी प्रक्रिया में अमेरिकी एजेंसी की तरफ से हस्तक्षेप करने का आरोप लगाया है। संभवतया यह अमेरिकी एजेंसियों को लेकर भारत के बदले रवैये को भी बतलाता है।

इस बात में कोई दो राय नहीं कि अमेरिका भारत का एक अहम रणनीतिक साझीदार देश है। हाल के वर्षों में भारत के द्विपक्षीय रिश्तों में जितनी गहराई अमेरिका के साथ आई है, वैसा किसी भी दूसरे देश के साथ देखने को नहीं मिला है। बावजूद इसके अमेरिका या कुछ दूसरे पश्चिमी देशों की एजेंसियों की तरफ से भारत में मानवाधिकार, धार्मिक आजादी, प्रेस की स्वतंत्रता जैसे मुद्दे के जरिये किये जाने वाले हस्तक्षेप भारतीय नेतृत्व बर्दाश्त नहीं कर सकता है। इसलिए ऐसे हस्तक्षेप को लेकर सख्ती से जवाब देने की रणनीति भारत अपना चुका है, जो बहुत बड़ी बात है।

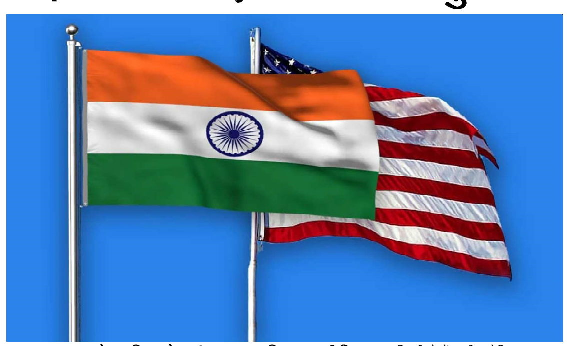

कहना न होगा कि लोकतंत्र, मानवाधिकार, मीडिया की स्वतंत्रता और भूख जैसे मुद्दों पर भारत को जानबूझकर निशाना बनाया जाता है। क्योंकि कुछ सरकारों की आदत होती है कि वह दूसरों से जुड़े हर मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हैं। इसलिए भारत सरकार ने भी सार्वजनिक तौर पर अपनी नाराजगी से अवगत करा दिया है। हमें इस बात पर फक्र होना चाहिए कि आज का भारत एक गाल पर तमाचा मारने पर दूसरा गाल आगे नहीं बढ़ाता।

कहना न होगा कि लोकतंत्र, मानवाधिकार, मीडिया की स्वतंत्रता और भूख जैसे मुद्दों पर भारत को जानबूझकर निशाना बनाया जाता है। क्योंकि कुछ सरकारों की आदत होती है कि वह दूसरों से जुड़े हर मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हैं। इसलिए भारत सरकार ने भी सार्वजनिक तौर पर अपनी नाराजगी से अवगत करा दिया है। हमें इस बात पर फक्र होना चाहिए कि आज का भारत एक गाल पर तमाचा मारने पर दूसरा गाल आगे नहीं बढ़ाता। क्योंकि अगर अमेरिका समेत अन्य पश्चिमी देश यदि भारत विरोधी प्रतिक्रिया दे सकते हैं, तो भारत भी अमेरिका समेत अन्य पश्चिमी देशों के खिलाफ प्रतिक्रिया दे सकता है। उन्हें यह याद रखना चाहिए कि विदेश के मामले में दखल देने की यह आदत कभी कभी उल्टी भी पड़ सकती है।

हैरत की बात तो यह है कि यूएससीआईआरएफ की रिपोर्ट में भारत में धार्मिक स्थिति को लेकर काफी विवादास्पद टिप्पणी की गई है। इसमें भारत को अफगानिस्तान, अजरबैजान, नाइजीरिया, वियतनाम जैसे देशों की श्रेणी में रखा गया है। वहीं, अमेरिकी विदेश मंत्रालय से आग्रह किया गया है कि भारत को भी धार्मिक आजादी को लेकर खास चिंता वाले देश (सीपीसी) की श्रेणी में रखा जाए। इस श्रेणी में रखे जाने वाले देशों को लेकर अमेरिकी प्रशासन का रवैया अलग होता है। साथ ही उन पर कई तरह के प्रतिबंध लगाने की व्यवस्था है।

याद दिला दें कि यूएससीआईआरएफ की रिपोर्ट आने से कुछ दिन पहले ही अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने भारत में मानवाधिकारों की स्थिति पर चिंता जताई थी। जिसपर पलटवार करते हुए भारतीय विदेश मंत्रालय ने दो टूक जवब दिया था कि अमेरिकी संस्थाएं भारत के बारे में अपनी खराब समझ का परिचय दे रही हैं। भारत के प्रति जितना दुराग्रह अमेरिकी विदेश मंत्रालय की रिपोर्ट में झलक रहा था, उतना ही यूएससीआईआरएफ की रिपोर्ट में भी। इससे स्पष्ट है कि पश्चिमी देशों यानी अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन आदि देशों का श्रेष्ठता बोध कभी खत्म होने का नाम ही नहीं ले रहा है। जबकि इन देशों की हकीकत अब दुनियावी देशों से छिपी हुई नहीं है। अमरीकी नस्लीय हिंसा और वहां के विश्वविद्यालयों में हो रहे पक्षपाती प्रदर्शनों के बारे में वह खुद ही समझ ले, तो उसके दूरगामी हित में होगा।

सीधा सवाल है कि भारत के आंतरिक मामलों में अनावश्यक टिप्पणी करने वाले पश्चिमी देशों की संस्थाएं क्या दुनिया को यह बता पाएंगी कि अमेरिका में पुलिस विश्वविद्यालयों में धावा क्यों बोल रही है और ब्रिटेन अवैध प्रवासियों को पकड़–पकड़ कर रवांडा क्यों भेज रहा है? इसी तरह कनाडा में हड़ताली ट्रक ड्राइवरों से निपटने के लिए आपातकाल क्यों लगा दिया जाता है? इस बात को नहीं भुलाया जा सकता कि ये वही पश्चिमी संस्थाएं हैं जो कृषि कानून विरोधी उग्र आंदोलन और शाहीन बाग के अराजक धरने को एक तरह से न केवल अपना समर्थन दे रही थीं, बल्कि भारत को मानवाधिकारों और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का पाठ भी पढ़ा रही थीं।

मेरा मानना है कि अमेरिका, कनाडा समेत यूरोपीय देश तब तक बाज नहीं आने वाले जब तक भारत भी इन देशों के मामलों में अपनी प्रतिक्रिया देना नहीं शुरू करता। वैसे भी भारत को केवल प्रतिक्रिया ही नहीं देनी चाहिए, बल्कि बाकायदा रिपोर्ट जारी कर यह बताना चाहिए कि इन देशों में क्या कुछ गड़बड़ हो रही है, क्योंकि किसी भी देश में सब कुछ ठीक नहीं रह सकता है। जब भारत ऐसा करेगा, तभी पश्चिमी देश चेतेंगे, अन्यथा कतई नहीं।

रेगिस्तान में पानी की मृग तृष्णा

–विनीत नारायण–

एक ही महीने में दूसरी बार दुबई में बादल फटने से बाढ़ के हालात पैदा हो गए। रेगिस्तान की तपती रेत में पानी का मिलना सदियों से एक आकस्मिक और चमत्कारिक घटना माना जाता है। तपती रेत पर हवा गर्म हो कर कई बार पानी होने का भ्रम देती है और प्यासा उसकी तलाश में भटकता रहता है। इसे ही मृग तृष्णा कहते हैं। जब से खाड़ी के देशों में पैट्रो–डॉलर आना शुरू हुआ है तब से तो इनकी रंगत ही बदल गई। दुनिया के सारे ऐशो आराम और चमक दमक इनके शहरों में छा गई।

अकूत दौलत के दम पर इन्होंने दुबई के रेगिस्तान को एक हरे–भरे शहर में बदल दिया। जहां घर–घर स्विमिंग पूल और फव्वारे देख कर कोई सोच भी नहीं सकता कि ये सब रेगिस्तान में हो रहा है। पर जैसे ही आप दुबई शहर से बाहर निकलते हैं आपको चारों ओर रेत के बड़े–बड़े टीले ही नजर आते हैं। न हरियाली और न पानी। इन हालातों में यह स्वाभाविक ही था कि दुबई का विकास इस तरह किया गया कि उसमें बरसाती पानी को सहेजने की कोई भी व्यवस्था नहीं है। इसलिए जब 75 साल बाद वहां बादल फटा तो बाढ़ के हालात पैदा हो गए। कारें और घर डूब गए।

हवाई अड्डे में इतना पानी भर गया कि दर्जनों उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। एक तरफ इस चुनौती से दुबई वासियों को जूझना था और दूसरी तरफ वे इतना सारा पानी और इतनी भारी बरसात देख कर हर्ष में डूब गए। पर ऐसा हुआ कैसे? क्या यह वैश्विक पर्यावरण में आए बदलाव का परिणाम था या कोई मानव निर्मित घटना? खाड़ी देशों में आई इस बाढ़ की वजह को कुछ विशेषज्ञों ने 'क्लाऊड सीडिंग' यानी कृत्रिम बारिश को बताया है। जब एक निश्चित क्षेत्र में अचानक अपेक्षा से कहीं गुना ज्यादा बारिश हो जाती है, तो उसे हम बादल फटना कहते हैं।

हालांकि,हाल ही में प्रकाशित एक समाचार के अनुसार अमरीकी मौसम वैज्ञानिक रयान माऊ इस बात को मानने से इंकार करते हैं कि दुबई में बाढ़ की वजह 'क्लाऊड सीडिंग' है। उनके मुताबिक खाड़ी देशों पर बादल की पतली लेयर होती है। वहां 'क्लाऊड सीडिंग' के बावजूद इतनी बारिश नहीं हो सकती है कि बाढ़ आ जाए। 'क्लाऊड सीडिंग' से एक बार में बारिश हो सकती है। इससे कई दिनों तक रुक–रुक कर बारिश नहीं होती जैसा कि वहां हो रहा है। माऊ के मुताबिक अमीरात और ओमान जैसे देशों में तेज बारिश की वजह 'क्लाइमेट चेंज' है। जो 'क्लाऊड सीडिंग' पर इल्जाम लगा रहे हैं वह ज्यादातर उस मानसिकता के हैं जो ये मानते ही नहीं कि 'क्लाइमेट चेंज' जैसी कोई चीज होती है।

'क्लाऊड सीडिंग' तकनीक हमेशा से बहस का विषय बनी रही है। दशकों के शोध से स्थैतिक और गतिशील बीजारोपण तकनीकें सामने आई हैं। ये तकनीकें 1990 के दशक के अंत तक प्रभावशीलता के संकेत दिखाती हैं। परंतु कुछ संशयवादी लोग सार्वजनिक सुरक्षा और पर्यावरण के लिए संभावित खतरों पर जोर देते हुए 'क्लाऊड सीडिंग' के खध्तरों पर जोर देते हुए इसके खिलाफ शोर मचाते रहे हैं। चूंकि सरकारें और निजी कंपनियां जोखिमों के बदले लाभ को ज्यादा महत्व देती हैं, इसलिए 'क्लाऊड सीडिंग' एक विवाद का विषय बना हुआ है। जबकि कुछ देशों में इसे कृषि और पर्यावरणीय उद्देश्यों के लिए अपनाया जाता है। इतना ही नहीं अन्य संभावित परिणामों से अवगत होकर ऐसे देश इस पर सावधानी से आगे बढ़ते हैं।

यदि इतिहास की बात करें तो 'क्लाऊड सीडिंग' का आयाम वियतनाम युद्ध के दौरान 'ऑपरेशन पोपेय' जैसी घटनाओं से मेल खाता है। उस समय मौसम में संशोधन एक सैन्य उपकरण था। विस्तारित मानसून के मौसम और परिणामी बाढ़ के कारण 1977 में एक अंतर्राष्ट्रीय संधि हुई जिसमें मौसम संशोधन के सैन्य उपयोग पर रोक लगा दी गई। रूसी संघ और थाईलैंड जैसे देश हीटवेव और जंगल की आग को दबाने के लिए इसका सफलतापूर्वक उपयोग कर रहे हैं, जबकि अमरीका, चीन और ऑस्ट्रेलिया सूखे को कम करने के लिए वर्षा के दौरान पानी के अधिकतम उपयोग के लिए इसकी क्षमता का उपयोग कर रहे हैं।

साइकिल पंचर हो गई, हाथी बूढ़ा हो गया, चार जून को 400 पार जा रही भाजपा -केशव प्रसाद मौर्य

संवाददाता—बहराइच। बहराइच जिले के बलहा विधानसभा क्षेत्र के उर्रा में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को बहराइच लोकसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि चार जून को भाजपा 400 पार जा रही है। साइकिल पंचर हो गया है। हाथी बूढ़ा हो चला है।

जिले के ग्राम पंचायत उर्रा के कारीकोट मैदान में आयोजित जनसभा में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य दोपहर दो बजे हेलीकाप्टर से उतरे। इसके बाद उनका भाजपा जिलाध्यक्ष बृजेश पांडे, विधायक सरोज सोनकर, प्रत्याशी आनंद गौड़, पिंटू मौर्य और अभिषेक मौर्य ने स्वागत किया। इसके बाद भगवान बुद्ध की स्मृति चिन्ह दी गई। उपस्थित जन समूह को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री ने कहा कि गरीब जनता, किसान और व्यापारी भाजपा के साथ है। भाजपा ने सभी वर्ग को साथ लेकर काम किया है। ऐसे में भाजपा ने बहराइच सुरक्षित सीट से युवा और पढ़े लिखे डॉक्टर आनंद गौड़ को प्रत्याशी बनाया है। सभी लोग उन्हें भारी मतों से सांसद बनाएं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने विकास किया है और फिर विकास ही करेगी। भाजपा की ही सरकार जनता बनवाएगी। उप मुख्यमंत्री ने पूर्व कांग्रेस नेता प्रमोद कृष्णम के द्वारा दिए गए बयान के बारे में कहा कि कांग्रेस की सरकार फिलहाल आने वाली नहीं है। अगर आ भी गई तो वह राम मंदिर और धारा 370 पर कुछ नहीं कर सकती है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पहले से ही चाहती है कि राम मंदिर के स्थान संग्रहालय बने लेकिन यह सनातन समाज की एकजुटता का संदेश है कि अयोध्या में रामलला विराजमान हुए हैं। सभा के बाद उन्होंने भीड़ का अभिवादन किया और जनता से मिलते हुए लखनऊ के लिए प्रस्थान कर गए। इस दौरान सांसद अक्षयवर लाल गोंड, सदर विधायक अनुपमा जायसवाल, नानपारा राम निवास वर्मा, विधायक प्रतिनिधि आलोक जिंदल, ब्लॉक प्रमुख सौरभ वर्मा, अरुणेंद्र सिंह अंकित, हरिश्चंद्र गुप्ता, योगेश प्रताप सिंह समेत अन्य मौजूद रहे।

महिला को बंधक बनाकर लूट, घर में अकेली रहती थी

संवाददाता—महराजगंज। शास्त्री नगर मोहल्ले में सोमवार को घर में घुसकर बंधकर बनाकर दिनदहाड़े लूट की घटना का अंजाम किया गया। बाइक पर सवार होकर दो लुटेरे आए और रकम समेत जेवर लेकर फरार हो गए। जानकारी के अनुसार, शास्त्री नगर में महिला संगीता मिश्रा घर में अकेली थी। उनके पति राजेश मिश्रा दुकान पर सुबह 8 बजे चले गए। उसी समय दो लोग घर में घुसे और महिला को पकड़ के गमछे से मुंह बांध दिया और महिला से कहा कि जितना भी पैसा जेवर है सब हमको दे दो महिला को डरा धमका कर घायल कर दिया और छह लाख का जेवर और 15 हजार रुपया नकद लेकर फरार हो गए। उसके बाद महिला को घर में बंद कर दिया जब आसपास के लोगों को इस घटना की जानकारी हुई तो तत्काल 112 डायल किया गया।

पुलिस अधीक्षक सोमेंद्र मीणा ने बताया कि पुलिस टीम मामले का खुलासा करने में जुटी है।

हाई स्कूल में रतन श्रीवास्तव 92.8 तो इंटर में शिखर मिश्रा ने 96 प्रतिशत अंक हासिल कर बने टापर

संवाददाता—बलरामपुर। काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन (आईसीएसई) हाई स्कूल एवं इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा परिणाम सोमवार को घोषित हुआ। इस बार हाई स्कूल एवं इंटरमीडिएट में बेटों का दबदबा रहा। इंटरमीडियट में जीसस एंड मैरी स्कूल एंड कॉलेज के शिखर मिश्रा 96 एवं हाई स्कूल में रतन श्रीवास्तव व स्टॅार वर्ड की सुहानी पटेल ने 92.8 प्रतिशत अंक हासिल कर जिला टॉप किया है। दोनों स्कूलों में परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। जिले की टॉप टेन सूची में हाई स्कूल में जीसस एंड मैरी स्कूल के रतन श्रीवास्तव व स्टॅार वर्ड की सुहानी पटेल ने 92. 8 ने अंक प्राप्त कर जिले में टॉप किया है। वहीं जीत श्रीवास्तव 91.4, अनिकेत सिंह 91.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर टॉप 3 में रहे। टॉप 4 में स्टार वर्ड्स पब्लिक इंटर कॉलेज तुलसीपुर की छात्रा खुशी सिंह ने 91 प्रतिशत अंक हासिल किया। टॉप फाइव में जीसस एंड मैरी स्कूल के फुरकान अहमद 90 प्रतिशत, टॉप 6 श्रुजिता सिंह ने 89.2, टॉप 7 में स्टार वर्ल्ड इंटर कॉलेज तुलसीपुर की हिमांशु 89, टॉप 8 ईशान सिंह 89 एवं टॉप 9 में जीसस एंड मैरी स्कूल के वैभव विश्वकर्मा 88.4 तथा टॉप टेन में इसी विद्यालय के यूनुस अबरार अंसारी ने 88.2 प्रतिशत अंक हासिल कर टॉप टेन सूची में शामिल रहे। इसी तरह इंटरमीडिएट में जीसस मैरी के शिखर मिश्रा 96 प्रतिशत अंक हासिल कर टॉपर रहे। वही मोहम्मद असलम अंसारी ने 95. 5, उमरा वारसी 93.8 प्रतिशत अंक हासिल कर टॉप 3 में रहे। टॉप 4 में जीसस एंड मैरी स्कूल के मयंक गुप्ता 91.5 प्रतिशत अंक हासिल किया। टॉप 5 अनुजा पांडेय 91.3 प्रतिशत, टॉप 6 हेमंत शुक्ला 88.3: टॉप 7 में स्टार वर्ड्स इंटर कॉलेज तुलसीपुर के सजल साहू 88.2: टॉप 8 में जीसस एंड मैरी इंटर कॉलेज के रोशन वर्मा 87.8 प्रतिशत, टॉप 9 अमर सिंह 87.5: व में रूपेश मेहता ने 87.3 प्रतिशत अंक हासिल कर टॉप टेन सूची में शामिल रहे। वही जीसस एंड मैरी इंटर कॉलेज में वाणिज्य संकाय इंटर में अरुणिमा पांडेय 90 एवं प्रियांशु गुप्ता ने 80.8 प्रतिशत अंक हासिल किया है। विद्यालय प्रिंसिपल के बटर फील्ड ने बताया आईसीएसई नई दिल्ली की कक्षा इंटर में 12 फरवरी से 4 अप्रैल 2024 एवं हाई स्कूल की 21 फरवरी से 28 मार्च तक बोर्ड परीक्षा आयोजित की गई थी। इस बार जीसस एंड मैरी स्कूल एंड कॉलेज एवं स्टार वर्ड्स इंटर कॉलेज तुलसीपुर परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। जिले में दो स्कूल काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन से संचालित है। जीसस एंड मैरी स्कूल का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा है। जीसस एंड मैरी स्कूल में हाई स्कूल में 169 एवं इंटरमीडिएट में 123 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दिया। जिसके सापेक्ष परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। वहीं स्टार वर्ड्स इंटर कॉलेज में हाई स्कूल में 143 में दो छात्र अनुपस्थित रहे। इंटरमीडिएट में 99 में तीन छात्र अनुपस्थित रहे हैं। जिसके सापेक्ष परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा है। विद्यालय प्रबंधक लाइव बटरफील्ड एवं फाउंडर कैथलीन वटरफील्ड ने सभी सफल परीक्षार्थियों एवं उनके अभिभावकों को बधाई देते हुए बच्चों को अपने लक्ष्य हासिल करने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय प्रशासक क्रेग वटर फिल्ड ने बताया कि हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट के छात्र—छात्राओं को भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक एवं सूचना तकनीकी विभाग द्वारा डीस्टलाइजेशन सुविधा प्रदान की जा रही है। इस सुविधा से परीक्षा परिणाम अंकपत्र एवं प्रमाण पत्र की डिजिटल हस्ताक्षर के साथ सुरक्षित रख सकेंगे। साथ ही अपने रिजल्ट भी संबंधित वेबसाइट पर देख सकते हैं। वहीं दूसरी ओर स्टार वर्ड्स इंटर कॉलेज तुलसीपुर प्रबंधक विनोद सिंह कलहंस एवं प्रिंसिपल प्रभा सिंह ने बताया कि विद्यालय का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा है। उन्होंने विद्यालय बच्चों को अपने लक्ष्य को हासिल कर आगे बढ़ते रहने के लिए प्रेरित किया।

कांग्रेसी बूथ स्तर पर घोषणा—पत्र को पहुंचाने में करें सहयोग

संवाददाता—महराजगंज। जिला कांग्रेस कमेटी के जनपदीय कार्यालय में जिलाध्यक्ष शरद कुमार सिंह उर्फ बबलू सिंह की अध्यक्षता में कांग्रेसी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की बैठक हुई। इस दौरान लोकसभा क्षेत्र महराजगंज से इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार वीरेन्द्र चौधरी को सफलता दिलाने के लिए चर्चा की गई। वहीं सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को अपने दायित्वों का निवर्हन करने की अपील की गई।

प्रदेश उपाध्यक्ष केशव चन्द यादव, जनपद प्रभारी जयकरन वर्मा, पूर्व सांसद व जनपद प्रभारी मोहम्मद मुकीम, पूर्व विधायक अम्बिका सिंह ने एकस्वर में कहा कि पदाधिकारियों को कांग्रेस पार्टी के नीतियों और कार्यक्रमों को बूथस्तर तक पहुंच कर जन—जन तक पहुंचाना होगा। ताकि पार्टी का घोषणा—पत्र के बारे में सभी मतदाता रूबरू हो सकें। इस अवसर पर गोपाल शाही, गामा प्रसाद, इस्त्याक अहमद, पूर्णवासी, तेजबहादुर पांडेय, विनोद कुमार सिंह, नूरआलम, जग्गू प्रसाद, कपिलदेव शुक्ला, डॉ. घनश्याम मिश्र, असलम, मकबूल अहमद, अफजल अब्बासी, शिवशंकर वर्मा, श्रीकान्त साहनी, दयानन्द सिंह, सुग्रीव कन्नौजिया, अरविन्द कुमार, सुशील धारिया, रामवदन वर्मा, गंगा प्रसाद चौरसिया, शंख यादव, रणजीत सिंह, रामस्वरूप, पारस गुप्ता, अमित सिंह, वीरेन्द्र पांडेय, चन्द्रिका प्रसाद, चन्द्रप्रकाश, अनिल तिवारी, रामनयन प्रसाद, शुभम गौड़, राजेश सिंह, अमरजीत वर्मा, नर्वदेश्वर मिश्रा, मनोज प्रसाद, अभय श्रीवास्तव, सुहेल अहमद आदि मौजूद रहे।

संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे से लटकता मिला विवाहिता का शव

संवाददाता—बलरामपुर। थाना श्रीदत्तगंज क्षेत्र के ग्राम मुजहनी के शुकुलवा गांव में सोमवार सुबह विवाहिता का शव संदिग्ध परिस्थितियों में कमरे में साड़ी से फंदे से लटका मिला। उसी कमरे में ही लेटे पति ने आंख खुलने पर जब पत्नी का शव लटकता देखा तो जोर—जोर से चीखने लगा। आवाज सुन पड़ोसियों की भीड़ जुट गई। सूचना पर पहुंची पुलिस व फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। शनिवार शाम कोतवाली नगर के नीमकौनी मोहल्ला संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत को हत्या बताकर पिता ने कोतवाली नगर में केस दर्ज कराया है। पति, ससुर व सास समेत सात लोगों पर दहेज हत्या का केस दर्ज हुआ है।

मुजहनी के शुकुलवा गांव निवासी अजय कुमार पुत्र राम तेज मजदूरी कर परिवार का भरण पोषण करते हैं। उनका विवाह दो वर्ष पूर्व थाना इटियाथोक जिला गोण्डा निवासी राधा देवी पुत्री राम अनुज के साथ हुआ था। परिवार में सबकुछ ठीक—ठाक चल रहा था। रविवार रात अजय अपनी पत्नी के साथ भोजन करने के बाद कमरे में सोया था। सोमवार सुबह जब अजय की आंख खुली तो कमरे में छत के कुडे से राधा का शव लटकता देखा। उसके गले में साड़ी का फंदा लगा था। वह जोर—जोर से चीखने लगा। परिजन भी रोने—चिल्लाने लगे। हल्ला गुहार सुनकर पड़ोसी अजय के घर पहुंच गए। इसी बीच अजय ने अपने ससुरालीजनों व पुलिस को घटना की सूचना दी। सुबह ही ससुरालीजन मौके पर पहुंच गए। उतरौला के नायब तहसीलदार प्रतिमा मौर्या व श्रीदत्तगंज थाना प्रभारी अनिल कुमार दीक्षित भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने घटना स्थल की बारीकी से जांच की। सूचना पाकर पहुंची फोरेंसिक टीम ने मौके पर वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए। शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। थाना प्रभारी अनिल कुमार दीक्षित ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने पर कार्रवाई की जाएगी। तहरीर नहीं मिली है। सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है। इस घटना से परिवारिजनों का रो—रोकर बुरा हाल है। अजय के घर तमाम महिलाएं दिन भर जुटी रहीं। अजय के माता—पिता दुखी थे। रोते—रोते उनकी आंखों के आंसू सूख चुके हैं।

पति, सास व ससुर समेत सात पर दहेज हत्या का केसरूनीमकौनी मोहल्ला निवासी अफजल का विवाह 11 मई 2023 को ग्राम बांसेपुरा थाना खरगुपुर जिला गोण्डा निवासी अब्दुल हलीम की 24 वर्षीय पुत्री अफसाना के साथ हुआ था। हलीम मुंम्बई रहकर कारोबार करते हैं। शनिवार शाम अफसाना की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा था। हलीम के मुताबिक अफसाना को उसके ससुरालीजन दहेज के लिए अक्सर प्रताड़ित करते थे। उसने फोन पर कई बार पिता से इस बात की शिकायत दर्ज कराई थी। आरोप है कि अफसाना को उसके पति, ससुर, सास व चार अन्य लोगों ने मिलकर जहर देकर मार डाला है। प्रभारी निरीक्षक शैलेश कुमार सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर सोमवार को दहेज हत्या का केस दर्ज किया गया है।

खेत से लौट रहे वृद्ध पर तेंदुए का हमला,घायल

संवाददाता—बहराइच। निशानगाड़ा रेंज के आजमगढ़ पुरवा गांव निवासी वृद्ध सोमवार सुबह खेत से नित्य क्रिया के बाद वापस लौट रहा था तभी तेंदुए ने उस पर हमला कर दिया। शोर सुनकर ग्रामीण पहुंच गए जिससे तेंदुआ उसे छोड़कर जंगल में भाग गया। पीड़ित को सीएचसी में भर्ती कराया गया है। जहां उसका इलाज चल रहा है। हमले के बाद वन विभाग की टीम प्रभावित क्षेत्र में कांबिंग कर रही है।

कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग के निशानगाड़ा रेंज से लगे ग्राम पंचायत कारीकोट के आजमगढ़ पुरवा गांव निवासी 70 वर्षीय उमाशंकर पुत्र देवराज सोमवार को नित्य क्रिया के लिए खेत को गए थे। उसके बाद वह घर वापस लौट रहे थे, तभी रास्ते में जंगल से निकले तेंदुए ने उन पर घात लगाकर हमला कर दिया। तेंदुए ने उनको जबड़े में दबोचने का का प्रयास किया। बचने के लिए वह शोर बचाने लगे, जिससे ग्रामीण वहां पहुंच गए। हांका लगाने पर तेंदुआ छोड़कर जंगल की ओर भाग गया। सूचना पर पहुंचे वन रक्षक कौशल किशोर सिंह, वाचर पंकज यादव ने घायल को एम्बुलेंस से पीएचसी सुजौली भर्ती कराया। प्राथमिक इलाज के बाद चिकित्सकों ने उसे सीएचसी मोतीपुर रेफर कर दिया। जहां उसका उपचार चल रहा है। गर्दन में दांत लगने की वजह से गहरा घाव है। तेंदुए के हमले की वजह से गांव के लोग दहशतजदा हैं। डीएफओ बी शिवशंकर ने बताया कि लगातार टीम मानीटरिंग कर रही है।

रिश्तेदारी में आए तीन युवकों की घाघरा नदी मे डूबकर मौत

संवाददाता—बहराइच। जरवलरोड थाना क्षेत्र के एक गांव में रिश्तेदारी में लखनऊ से आए पांच लोग सोमवार को घाघरा नदी में नहाते समय डूब गए। इनमें से तीन लोगों की डूबकर दर्दनाक मौत हो गई। जानकारी पर पहुंची पुलिस में स्थानीय लोगों की मदद से तीनों को पानी से बाहर निकलवाया उसके बाद तीनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मुस्तफाबाद में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस की माने तो क्षेत्र के ग्राम तप्सेसिपाह के पूर्व बीडीसी रामतेज निषाद के यहां बीते माह 25 अप्रैल को उनके लड़के धर्मेंद्र निषाद की शादी लखनऊ से हुई थी। शादी के बाद लखनऊ से लड़की का भाई श्रवण निषाद अन्य चार युवकों के साथ अपनी बहन की विदाई करवाने तप्सेसिपाह आए थे। पांचों युवक नहाने के लिए घाघरा नदी पहुंच गए। नदी में नहाते समय एक युवक डूबने लगा जिसे बचाने अन्य चारों युवक बचाने लगे। पानी गहरा होने के कारण दो और युवक डूब गए और दो किसी तरह जान बचा पाए। नदी में डूबने से तीन की मौत हो गई।

मृतकों में अचिन निषाद (17) पुत्र सुशील निषाद थाना बक्शी का तालाब छीठी मिल लखनऊ, सचिन निषाद (18) पुत्र हनुमान निषाद खदरा लखनऊ, सरवन निषाद (20) पुत्र लखन निषाद रेजीडेंसी थाना ठाकुरगंज लखनऊ शामिल है। थानाध्यक्ष बृजराज प्रसाद ने बताया कि तीनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया जहां उन्हें डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया जबकि दो युवक बच गए हैं।

चौरसिया समाज भी लड़ेगा लोकसभा चुनाव

संवाददाता—महराजगंज। जनहित किसान पार्टी और पूर्वांचल के चौरसिया समाज के लोगों की बैठक नगर के एक मैरेज हाल में हुई। इसकी अध्यक्षता दीपक चौरसिया ने की। इस दौरान लोकसभा चुनाव में चौरसिया समाज से भी उम्मीदवार खड़ा करने का निर्णय लिया।

मुख्य अतिथि जनहित किसान पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्यामसुंदर चौरसिया ने कहा कि राजनीतिक दल चौरसिया समाज के लोगों को टिकट देने से परहेज कर रहे हैं। जिससे सदन में चौरसिया समाज की भागीदारी नहीं हो पा रही है। छह अप्रैल 2024 को एक सीट के विषय पर एनडीए गठबंधन से वार्ता हुई थी। लेकिन टिकट नहीं दिया गया है। चौरसिया समाज के साथ वर्षों से सौतेला व्यवहार किया जा रहा है। 1974 में बैरिस्टर शिवदयाल सिंह चौरसिया को कांग्रेस ने राज्यसभा सांसद का टिकट दिया था। वह मशहूर बिजनेस को हराकर राज्यसभा सांसद बने थे। लेकिन अब चौरसिया समाज अपने दम पर चुनाव लड़ेगा। इस दौरान समाज के लोगों ने तीन प्रस्ताव भी तैयार किया। बैठक में महराजगंज के अलावा संतकबीरनगर और वाराणसी से भी उमीदवारों के नामों की घोषणा की गई। वाराणसी से बाबा विजय नंदन निषाद व संतकबीरनगर से विजय त्रिपाठी, महराजगंज से श्यामसुंदर दास चौरसिया चुनाव लड़ेंगे। इस दौरान जिलाध्यक्ष विद्रेश चौरसिया, रामहित, संतोष कुमार, अर्जुन कुमार आदि मौजूद रहे।

विकास कार्यों की निगरानी को नोडल अफसर नियुक्त

संवाददाता—गोण्डा। ग्राम पंचायतों के विकास कार्यों की निगरानी के लिए खंड विकास अधिकारी मृत्युंजय यादव ने नोडल अधिकारी की तैनाती की है। उन्होंने कार्यों को गुणवत्तापूर्ण कराने के साथ रोजाना इसकी रिपोर्ट ब्लॉक मुख्यालय पर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

विकासखंड रुपईडीह के 106 ग्राम पंचायत में चल रहे विकास कार्यों की निगरानी के लिए बीडीओ मृत्युंजय यादव ने एडीओ पंचायत सहित सात कर्मचारियों को नोडल अफसर नामित किया है। ये लोग 14 न्याय पंचायतों में चल रहे, मनरेगा कार्यों, व्यक्तिगत शौचालय, प्रधानमंत्री आवास, सामुदायिक शौचालय, पंचायत भवन एवं सचिवालय, सड़क, नाली, खड़ंजा, विधवा, विकलांग, वृद्धा पेंशन एवं सभी विकास कार्यों के निगरानी करेंगे। न्याय पंचायत पन्ना बगुलहा में एडीओ पंचायत महेंद्र प्रताप सिंह,असिधा, रुपईडीह भंगहा में एडीओ आईएसबी मोहम्मद आजम खान, देवतहा, फतेहगढ़, महादेव कला में एडीओ सांख्यिकी रोशन लाल, झूरीकुइयां एडीओ सहकारिता अमित पाल, बेलवा बाजार, खरगूपुर इमलिया में एडीओ कृषि रामवीर सिंह, बनगाई, बेलवाभान में लघुसिंचाई अवधेश सिंह, परसदा, सिसई जंगल क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी फखरुलहसन को नोडल अधिकारी नामित करते हुए प्रत्येक दिन ग्राम पंचायतों में किए गए विकास कार्यों की निगरानी करते हुए रिपोर्ट उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

करनैलगंज पालिका में संपत्ति नामांतरण में हेराफेरी की जांच

संवाददाता—गोंडा। नगर पालिका परिषद करनैलगंज में बिना किसी आधार के सम्पत्ति के नामान्तरण की शिकायत पर मंडलायुक्त योगेश्वर राम मिश्र ने जांच के आदेश दिए हैं। बताया जा रहा है कि पालिका में वैध रूप से पूर्व से अंकित स्वामियों के नाम निरस्त करके कूटरचना पर आधारित अभिलेखों व अपंजीकृत वसीयत के आधार पर नामांतरण के आदेश किये जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि इस संबंध में मंडलायुक्त को कई शिकायतें मिली हैं।

मंडलायुक्त योगेश्वर राम मिश्र ने बताया कि यह सर्वविदित है कि वर्ष 2004 के बाद अपंजीकृत वसीयतनामे की कोई वैधानिकता नहीं है। उनके संज्ञान में आया है कि नगर पालिका परिषद के नियमों के अनुसार नामान्तरण के निर्धारित प्रक्रिया का भी अनुपालन नहीं किया जा रहा है। नामान्तरण आदेश ऐसे प्राधिकारियों के द्वारा निर्गत किये जा रहे हैं, जो उसके लिये अधिकृत ही नहीं हैं। बिना अधिकृत अधिकारी के पारित किये गये आदेश वैधानिक रूप से शून्य हैं। मंडलायुक्त ने बताया कि मंगलवार को अपर आयुक्त (प्रशासन) देवीपाटन मंडल और एसडीएम करनैलगंज नगर पालिका में पहुंचकर सभी अभिलेखों की संयुक्त रूप से जांच करके अपनी रिपोर्ट बुधवार तक देंगे। उन्होंने दोनों अफसरों को इसके लिए विशेष हिदायत जारी है।

कैसरगंज से भाजपा प्रत्याशी करणभूषण के खिलाफ एफआईआर दर्ज

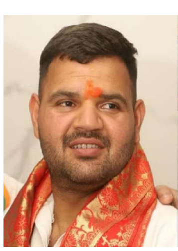

संवाददाता—गोण्डा। बहुचर्चित सांसद बृजभूषण शरण सिंह के बेटे और कैसरगंज से भाजपा प्रत्याशी करणभूषण सिंह के खिलाफ प्रशासन की ओर से आचार संहिता उल्लंघन के मामले में तरबगंज थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई है। मुकदमे में करण भूषण को नामजद करते हुए अज्ञात को भी आरोपी बनाया गया है। आरोप है कि बिना अनुमति वाहनों का काफिला निकालने के साथ ही उनके समर्थक आदर्श आचार संहिता और निषेधाज्ञा कानून की सरेआम धज्जियां उड़ा रहे हैं। तरबगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत बेलसर बाजार में शनिवार को काफिले में समर्थकों ने आतिशबाजी की थी। जांच के बाद डीएम के आदेश पर यह मुकदमा दर्ज कराया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी नेहा शर्मा ने आचार संहिता उल्लंघन और बिना अनुमति काफिला निकालने के मामले को गंभीरता से संज्ञान लिया है।

रविवार शाम करीब 7:00 बजे तरबगंज विधानसभा एफएसटी प्रभारी डॉ. सुमित कुमार की ओर से एफआईआर दर्ज कराई गई है। आचार संहिता और निषेधाज्ञा लागू होने के बावजूद बेलसर चौराहे पर उनके काफिले में मल्टी शॉट क्रैकर फोड़े गए थे। इतना ही नहीं बिना अनुमति दर्जनों वाहनों के काफिले निकालकर शक्ति प्रदर्शन किया गया साथ ही सोशल मीडिया अकाउंट से वीडियो भी शेयर की गई। गौरतलब है कि कैसरगंज सांसद व भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह विगत कई दिनों से सुर्खियों में बने हैं। पहलवानों के यौन शोषण के आरोपों से घिरे बृजभूषण को इस बार भाजपा हाईकमान ने टिकट नहीं दिया। उनके बेटे करण भूषण सिंह को उनकी जगह पर चुनाव मैदान में उतारा है। आरोप है कि पिता बृजभूषण शरण सिंह की छवि और प्रभाव को कैसरगंज लोकसभा क्षेत्र में ग्लैमर के रूप में जमकर इस्तेमाल हो रहा है। बिना अनुमति दर्जनों वाहनों के काफिले निकाले जा रहे हैं। आरोप है कि पुलिस प्रशासन रोकने के बजाय मूकदर्शक बना हुआ है। बिना अनुमति जगह—जगह स्वागत और कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।

जिला निर्वाचन अधिकारी के संज्ञान लेने के बाद मामले में केस दर्ज हुआ है। इंस्पेक्टर समशेर बहादुर सिंह के मुताबिक, मामले की जांच के लिए उपनिरीक्षक सुनील कुमार तिवारी मामले की विवेचना करेंगे। आचार संहिता उल्लंघन की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच कर रहे हैं। तरबगंज सर्किल के पुलिस क्षेत्राधिकारी सौरभ वर्मा ने मुकदमा लिखे जाने की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि कैसरगंज से भाजपा प्रत्याशी करणभूषण सिंह के खिलाफ बिना अनुमति के काफिला निकालने, स्वागत के दौरान सिलसिलेवार पटाखा दगाने के चलते आदर्श आचार संहिता उल्लंघन की धाराओं में थाना तरबगंज में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

गोंडा, बलरामपुर और कैसरगंज से 30 साल सांसद और 12 साल डब्ल्यूएफआई के अध्यक्ष रहे बृजभूषण शरण सिंह के अंदाज में ही भाजपा प्रत्याशी व उनके बेटे करण भूषण सिंह और समर्थक प्रशासन के लिए लगातार चुनौती बन रहे हैं। पिछले दिनों प्रशासन ने कैसरगंज सांसद बृजभूषण सिंह के खिलाफ खरगूपुर थाने में आचार संहिता उल्लंघन का मामला दर्ज कराया था। लगातार भाजपा प्रत्याशी करणभूषण सिंह और उनके समर्थक आचार संहिता और निषेधाज्ञा कानून की धज्जियां उड़ाते रहे हैं। भले ही प्रशासन की ओर से सिंगल विंडो स्थापित कर सभा और चुनाव प्रचार करने के लिए अनुमति लेने की व्यवस्था दी हो। मगर किसी भी राजनीतिक दल की ओर से सभा और गाड़ियों के लिए अनुमति तक नहीं ली जा रही है। 14 अप्रैल अंबेडकर जयंती पर भाजपा ने सभा के लिए अनुमति ली थी। इसी तरह से 19 अप्रैल को सपा की ओर से अनुमति ली गई। ऐसे में प्रशासन राजनीतिक दलों के कार्यक्रम और सभाओं से बेखबर रह रहा है तो वहीं पुलिस प्रशासन तमाशबीन बनी हुई है।

कृषि छात्र सत्यम को यूपी में 10 वां स्थान मिलने पर किया सम्मानित

संवाददाता—बहराइच। आश्रम पद्धति कृषि इंटर कॉलेज चिरैयाटांड़ में यूपी बोर्ड में मेरिट में जिले से सर्वोच्च अंक प्राप्त करने व प्रदेश में दसवां स्थान प्राप्त करने वाले सत्यम गुप्ता का विद्यालय में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख अजीत प्रताप सिंह रहे। संचालन अवधेश सिंह ने किया। प्रमुख ने कहा कि परिश्रम से सफलता अवश्य मिलती है। उन्होंने सत्यम की सफलता का श्रेय शिक्षकों एवं परिजनों को दिया। कहा कि सत्यम के आगे की पढ़ाई में जो भी सहयोग की जरूरत होगी हम करेंगे। विद्यालय में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले छात्रों को भी सम्मानित किया गया। प्रधानाचार्य सभा राज सिंह ने सभी अतिथियों एवं शिक्षकों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

ब्लाक कर्मियों ने निकाली जागरूकता रैली

संवाददाता—गोण्डा। ब्लॉक मुख्यालय पर सोमवार को बीडीओ मृत्युंजय यादव ने सभी कर्मचारियों ने मतदाता जागरूकता पर शपथ दिलाई। इसके बाद क्षेत्र में बाइक, ई—रिक्शा रैली निकाल कर लोगों को 20 मई को मतदान करने के लिए जागरूक किया।

कार्यक्रम के शुभारंभ के अवसर पर बीडीओ मृत्युंजय यादव ने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों, सहायिकाओं, आशाओं, सफाई कर्मचारियों, राजकीय कृषि बीज गोदाम, बाल विकास परियोजना के अधिकारियों व कर्मचारियों से चुनाव में बढ़—चढ़कर मतदान करने एवं लोगों को प्रेरित करने के लिए शपथ दिलाई। बीडीओ ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसमें एडीओ पंचायत महेंद्र प्रताप सिंह, एडीओ आईएसबी मोहम्मद आजम खान, रामवीर सिंह, फखरूल हसन, यमुना प्रसाद, पंकज पांडेय,फूलचंद ,विनोद कुमार, लल्ला पासवान, अजय पांडेय , मोहन कुमार मंगलम, मालिक राम, सबाना परवीन, गरिमा यादव, अजीत कुमार, कुंवर विजय बहादुर सिंह, प्रथमेश पाठक, कुसुम तिवारी, सुशीला मौर्या ,अरुण हंस, नीरज वर्मा, अशोक तिवारी, मोनू शुक्ला, पप्पू तिवारी, अशोक गुप्ता, सुनील कुमार, नरेंद्रकुमार, राजकुमारी, दर्शन पाल सिंह रहे।

भूमि विवाद में फायरिंग, पैर में गोली लगने से एक घायल

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले के कोतवाली खलीलाबाद अंतर्गत चुरेब गांव में भूमि विवाद में फायरिंग से एक युवक से घायल हो गया। गोली उसके पैर में लगी है। जिला अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। मारपीट में एक महिला भी घायल हो गई। हमला करने वालों ने दो बाइक में भी आग लगा दी। कांटे चौकी क्षेत्र अंतर्गत चुरेब गांव में सोमवार को लगभग ग्यारह बजे भूमि विवाद में पैर में गोली लगने से भाटपार निवासी इरशाद (33) पुत्र कमालुद्दीन घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने उसे इलाज के लिए एक बोलरो गाड़ी से जिला अस्पताल खलीलाबाद भेज दिया। स्थानीय लोगों के अनुसार चुरेब निवासी मनोज सिंह उर्फ मुन्नू पुत्र राजबली ने गोरखपुर जनपद के कसरवल निवासी अमजद हुसैन को जमीन बेची थी। उसके बाद अमजद हुसैन ने मीरगंज निवासी सोनी देवी पत्नी राम फेर और भाटपार निवासी इरशाद अहमद पुत्र कमालुद्दीन को जमीन बेच दिया था। बहुत दिनों से जमीन खरीदने वालों का जमीन बेचने वाले के भाई से कब्जे को लेकर विवाद चल रहा था। जिसे लेकर कई बार मामला कांटे पुलिस चौकी पर भी गया था। कुछ दिन पूर्व इस मामले में एक सुलहनामा भी हुआ था। लोगों ने बताया कि रविवार की शाम को प्रशासन की मौजूदगी में लेखपाल ने जमीन की पैमाईश कर दिया था। सोमवार की सुबह सोनी देवी और इरशाद अहमद उक्त जमीन पर पहुंचे थे। इसी बीच यह घटना हो गई। बाइक में लगी आग की लपटें जब उठने लगी तो लोगों ने पहले समझा कि खेत में आग लगी है। जब लोग करीब पहुंचे तो बाइक में लगी आग देखकर दौड़ पड़े। और पास जाने पर देखा कि खेत में एक युवक मुंह के बल गिरा हुआ है। लोगों ने जब उससे पूछताछ की तो उसने बताया कि उसे गोली मारी गई है। इसके बाद स्थानीय लोगों ने एंबुलेंस, पुलिस और फायर ब्रिगेड को मोबाइल के माध्यम से सूचना दी। एंबुलेंस आने में देरी के चलते मददगारों ने घायल को इलाज के लिए एक बोलेरो गाड़ी से जिला अस्पताल भेज दिया। वहां इलाज चल रहा है। सूचना पर पहुंची पुलिस जांच पड़ताल में जुटी है। अभी मामले में कोई तहरीर नहीं पड़ी है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

हैंडपंप से उतरे करंट की चपेट में आने से छात्रा की मौत

संवाददाता–गोरखपुर। पीपीगंज थाना क्षेत्र के नरही गांव निवासी नरसिंह की 11 साल की बेटी नीलू की हैंडपंप में उतरे करंट की चपेट में आने से मौत हो गयी। सोमवार की सुबह करीब आठ बजे स्कूल जाने के लिए नीलू हैंडपंप पर नहाने गई थी। हैंडपंप में लगे मोटर में करंट उतर गया जिससे बच्ची चपेट में आ गई। वह गंभीर रूप से घायल हो गई। आनन–फानन में परिजन उसे लेकर इलाज के लिए गोरखपुर ले गये जहां उसकी मौत हो गई। परिजन शव लेकर घर आए और अंतिम संस्कार किये। बच्ची नीलू श्याम कृष्ण इंटर कालेज थवईपार में कक्षा 7 की छात्रा थी। काफी होनहार छात्रा थी।

बस स्टेशन पर यात्री का बैग चोरी

संवाददाता–गोरखपुर। बड़हलगंज थाना क्षेत्र के खजुरी पाण्डेय गांव निवासी श्याम सुंदर प्रसाद ने 05 मई को पुलिस को दिए गए तहरीर में कहा है कि 19 अप्रैल की रात वाराणसी से चलकर 20 अप्रैल की सुबह बड़हलगंज बस स्टेशन पर पहुंचे। बस स्टेशन पर उतरते हुए मेरा बैग चोरी हो गया। बैग मे 35 हजार रुपए, मोबाइल फोन तथा जरुरी कागजात थे।

जरा सी चूक में चली गई छोटे भाई की जान, बड़े भाई ने पेट में घोंप दी थी कैंची

संवाददाता–संतकबीरनगर। मेंहदावल क्षेत्र के कांटी गांव में रविवार की एक बजे के करीब नशे में धुत छोटे भाई के पेट में बड़े भाई ने कैंची घोप दी। बताया जाता है कि बड़े भाई का शराब पीकर आने पर छोटे भाई ने रात में नशे में धुत होकर घर आने पर आपत्ति जताई थी। इस बात को लेकर बड़ा भाई विवाद करने लगा।ैंची उठाकर छोटे भाई के पेंट में घोंप दिया। गंभीर रुप से घायल को परिजन अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने देखते ही मृत घोषित कर दिया। युवक कि मौत से परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कांटी गांव निवासी बेलाश 27 वर्ष पुत्र बैजनाथ रविवार की रात घर पर था। उसी दौरान बड़ा भाई शंकर घर आया तो वह शराब के नशे में था। बेलाश ने शराब पीने को लेकर आपत्ति किया, जिस पर दोनों में विवाद हो गया। बड़े भाई ने घर में रखी कैंची बेलाश के पेट में घोंप दी। एक बार नहीं, तीन से चार बार पेट में घोंप कर उसने बेलाश को गंभीर रुप से घायल कर दिया। अचानक मचे हंगामे से परिजन भी जगकर बीच बचाव कर रहे थे। इसी बीच घायल होने पर परिजन उसे अस्पताल ले गए, जहां इलाज के दौरान बेलाश की मौत हो गई। परिजनों ने थाने में तहरीर दे दी थी।

कबाड़ की दुकान में आग लगाने का आरोप, तीन पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता–गोरखपुर। चौरीचौरा क्षेत्र के फुटहवा इनार में कबाड़ की दुकान में आग लगने की घटना के एक माह बाद विद्यासागर जायसवाल की तहरीर पर तीन लोगों के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज किया है। विद्यासागर ने पुलिस को दिए गए तहरीर में कहा है कि वह मूल रूप से एम्स क्षेत्र के जगदीशपुर के निवासी हैं। उन्होंने बताया कि बीते नौ वर्ष से फुटहवा इनार में किराए का दुकान व मकान लेकर कबाड़ का कार्य करते हैं। कबाड़ की दुकान व जमीन को लेकर चौरीचौरा के भरतपुर निवासी अशोक गुप्ता अपने गांव के शेखर व फुटहवा इनार निवासी धर्मेंद्र जायसवाल एक साथ दुकान पर चढ़कर गाली गलौज किया और धमकी देने लगे। बताया कि 10 दिन बाद 6 अप्रैल की रात में कबाड़ में आग लग गई। जिसमें 8–10 लाख का सामान पूरी तरह जलकर राख हो गया। आग लगाने की वजह पूछने पर गाली देते हुए मारने के लिए दौड़ा लिया। किसी तरह से भाग कर जान बचाया। पुलिस तीनों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर घटना की जांच पड़ताल कर रही है।

चुनाव कराने के लिए जिले में पहुंचे प्रेक्षक

संवाददाता–संतकबीरनगर। ोकसभा चुनाव सकुशल सम्पन्न कराने के लिए भारत निर्वाचन आयोग से नियुक्त प्रेक्षक (सामान्य) जनक प्रसाद पाठक जनपद में आ गए हैं। वे 2007 बैच के आईएएस हैं। उनके डाक बंगले पर पहुंचने पर गार्ड ने सलामी दी। प्रेक्षक क्षी पाठक खलीलाबाद पीडब्लूडी डाक बंगला के यमुना कक्ष में ठहरे हुए हैं। प्रेक्षक (सामान्य) श्री पाठक का मो. नं. – 9198222528 है। लोकसभा चुनाव से सम्बंधित किसी भी अनियमितता अथवा आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन की स्थिति में किसी भी जनसामान्य व्यक्ति द्वारा प्रेक्षक महोदय को उनके उक्त मोबाइल नम्बर पर सम्पर्क कर शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। अथवा उनसे से प्रातः 9:00 बजे से 10:00 बजे के बीच मुलाकात कर चुनाव में निष्पक्षता, पारदर्शिता, आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन सहित अन्य किसी भी तरह की अनियमितता से संबंधित शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। प्रेक्षक महोदय के साथ सब रजिस्ट्रार राजेश गुप्ता मो. नं. – 6388225788 को लाइजन आफिसर नियुक्त किया गया है। यह जानकारी जिला आबकारी अधिकारी/प्रभारी अधिकारी प्रेक्षक, संजय कुमार ने दी है।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0 590 /2024
अन्तर्गत धारा 48 जो0च0अधि0
अदालत– श्रीमान उप संचालक चकबन्दी बस्ती जिला–बस्ती
सुवाषचन्द्र
बनाम
संस्कृत पाठशाला आदि
1–संस्कृत पाठशाला आहर सोनहा तप्पा कोठिला परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला–बस्ती द्वारा प्राचार्य आनन्दवर्धन मिश्रा 2. सरकार उ0प्र0 जरिये जिलाधिकारी बस्ती

तारीख पेशी 14–05–2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 14 माह 05 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 06 माह 05 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

तीन गांवों में एक ही रात में 60 लाख रुपये की चोरी

संवाददाता–गोरखपुर। खजनी क्षेत्र में बेखौफ चोरों ने एक बार फिर पुलिस के इकबाल और गश्त के दावों को चुनौती दी है। रविवार रात चोरों ने तीन गांवों के चार घरों में 60 लाख के सामान और नकदी की चोरी कर पुलिस के गश्त पर सवाल खड़ा कर दिया है। चोरी की सूचना के बाद फोरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंची और साक्ष्य जुटाकर चोरों की तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, खजनी थाने से महज 200 मीटर दूरी पर स्थित रूद्रपुर गांव के निवासी चंद्रभूषण राम त्रिपाठी उर्फ रामधनी के घर में दीवार पर लगे कंटीले तारों को काट कर छत के रास्ते घर में घुसे चोर आलमारी, बॉक्स और सूटकेस में रखे कीमती गहने और नकदी पर हाथ साफ कर दिया।

पुलिस को दी गई तहरीर में 30 लाख रुपये से अधिक के गहने चोरी हो जाने की जानकारी दी गई है। घटना के समय परिवार के सभी सदस्य सोए हुए थे। उन्हें सुबह चोरी की जानकारी हुई। परिजनों ने इसकी सूचना तत्काल डॉयल 112 नंबर पर पुलिस को दी। रामधनी तिवारी चीनी मिल से सेवानिवृत्त होने के बाद वर्षों से अपने परिवार के साथ पैतृक गांव में रहते हैं। इसी प्रकार रूद्रपुर गांव के गायघाट मौजे के निवासी जितेंद्र यादव के घर के पीछे से छत के रास्ते भीतर घुसे चोरों ने नकद समेत करीब दो लाख रुपये के गहने चुरा लिए। जितेंद्र यादव मुंबई में रहकर राजमिस्त्री का काम करते हैं। वहीं, सरयां तिवारी गांव में स्वर्गीय झुनमुन बेलदार के पुत्रों निर्मल और रामसनेही के घर को चोरों ने निशाना बनाया और लाखों के गहने और नकदी पर हाथ साफ कर दिया। कोठां गांव के दयालु तिवारी के घर में खिड़की का ग्रील काटकर घर में घुसे चोरों ने करीब 16 लाख रुपये के गहने और नकदी चुरा ली। चोरी की सूचना के बाद खजनी सीओ ओंकारदत्त तिवारी, थानेदार गौरव राय कन्नौजिया फोरेंसिक टीम, डॉग स्क्वायड, सर्विलांस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस का दावा है कि जल्द ही चोरी की घटनाओं का खुलासा कर लिया जाएगा।

मेधावियों के सपनों को मिली उड़ान,12वीं में अदिति व सक्षम,10वीं में कृष्णा टॉपर

संवाददाता–गोखपुर। सीआईएससीई ने सोमवार को 10 वीं और 12 वीं का रिजल्ट जारी कर दिया। 10 वीं में सेंट जोसेफ स्कूल गोरखनाथ के कृष्णा गुप्ता को 99.4 परसेंट नंबर मिले। जिले में सर्वाधिक नंबर पाकर कृष्णा ने स्कूल का मान बढ़ाया है। एलएफएस, चरगांवां के शांतनु शुक्ला ने जिले में तीसरा स्थान बनाया है।

इन्होंने 99.2 प्रतिशत अंक हासिल किए हैं। वहीं, एचपी चिल्ड्रेन एकेडमी के सिद्धार्थ विजय सिंह कौशिक ने 10वीं में 99 प्रतिशत अंक हासिल कर स्कूल का मान बढ़ाया है।

इसी तरह, 12 वीं में सेंट पॉल्स स्कूल चरगांवा की अदिति चंद को 98.40 और लिटिल फ्लावर चरगांवा के सक्षम श्रीवास्तव को 97.25 प्रतिशत नंबर मिले हैं। वहीं, दोनों ही छात्रों ने जिले में सर्वाधिक नंबर हासिल किया है। सुबह 11 बजे बोर्ड का रिजल्ट जारी हुआ। इसके बाद स्कूलों में छात्रों की भीड़ एकत्रित होने लगी। स्कूल में छात्र एक दुसरे के गले लगकर बधाई देते रहे।

मतदान के लिए तीन लाख प्रवासियों को संदेश देंगे बीएलओ

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। जिला प्रशासन ने लोकसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ाने की पहल की है। इसके लिए रोजगार के लिए बाहरी प्रदेशों में काम करने गए तीन लाख वोटरों को बुलाने के लिए बीएलओ के माध्यम से संदेश भेजेंगे। दरअसल डुमरियागंज संसदीय सीट का चुनाव छठवें चरण में है। इसके लिए 25 मई को वोट डाले जाएंगे। मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए प्रशासन जिले के लगभग तीन लाख प्रवासी श्रमिकों को मतदान देने लिए बीएलओ के माध्यम से संपर्क करके वोट डालने आने के लिए मनुहार करेगा। बाहर रह रहे मतदाताओं के परिवार में पहुंचकर उनके मोबाइल नंबर प्राप्त कर उनसे बात करेंगे। बताते चले कि 2019 के लोकसभा चुनाव में 51.26 प्रतिशत मतदान हुआ था। वहीं 2022 में विधानसभा चुनाव में 51.56 प्रतिशत वोटरों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया था। सीडीओ जयेंद्र कुमार ने बताया कि बीएलओ के माध्यम से ग्राम पंचायतों में सर्वे कराकर बाहर या अन्य शहरों में रहने वाले श्रमिकों की सूची तैयार कराने की जिम्मेदारी सौंपी गई है, जिससे उनसे संपर्क किया जा सके।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
M.A.C.P.N0 80/2023
अदालत–श्रीमान समक्ष मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण महोदय जिला–बस्ती
लक्ष्मी देवी
बनाम
संतोष कुमार
1. मनोज उम्र 40 वर्ष पुत्र गलाब ग्राम कुसुम्हा बुजुर्ग पोस्ट खुटहन थाना गुल्हरिया जिला गोरखपुर (वाहन चालक वाहन सं0–UP 53 DZ 8737)

तारीख पेशी 08–05–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 08 माह 05 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
M.A.C.P.N0 27/2020
अदालत–श्रीमान समक्ष मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण महोदय जिला–बस्ती
रमेश चन्द्र
बनाम
मो0 सईद रिजवी आदि
1. मो0 सईद रिजवी पुत्र सैय्यद मसूद हसन रिजवी साकिन व पोस्ट हल्लौर थाना डुमरियागंज जिला सिद्धार्थनगर (वाहन स्वामी नं0–UP 55T 6242) 2. इरफान आलम पुत्र रमजान अली ग्राम भानपुर पोस्ट मगहर जनपद संतकबीरनगर (वाहन चालक नं0–UP 55 T 6242)

तारीख पेशी 20–05–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 20 माह 05 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

वाद की खारिजी को अपास्त किये जाने के आदेश को अभिप्राप्ति के लिये आवेदन की सूचना
(आदेश 9, नियम 9, (2) व्य0 प्र0 संहिता 1908)
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) एफ0टी0सी0 महोदय बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0 168/2023
जगदीश
बनाम
राधेश्याम आदि
1. राधेश्याम उम्र 54 साल पुत्र मुरली 2. श्रीमती श्याम देवी उम्र लगभग 61 वर्ष पुत्र रामनेवास 3. सरोज देवी उम्र लगभग 49 वर्ष पत्नी रामकरन 4. बीना देवी उम्र लगभग 44 वर्ष पत्नी अयोध्या निवासीगण ग्रम रामनगर कठौतिया तप्पा आदमपुर परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला–बस्ती

तारीख पेशी 22–05–2024

चूंकि पूर्वोक्त वादी (गण) आवेदक (गण) ने इस न्यायालय में एक आवेदन उपरिनामांकित वाद की खारजी अपास्त करने के आदेश की अभिप्राप्ति के लिये इस न्यायालय के निर्देशानुसार सन 20 मास के दिवस को दिवस को पेश किया है। अत एव आपको सूचना दी जाती है कि इस न्यायालय में 2024 के 05 के 22 दिवस को स्वयं या इस न्यायालय के अधिवक्ता या सम्यकरूपेण अधिकृत मुख्तार द्वारा जो इस बात के तथ्यों की जानकारी रखता हो उप संजात होकर हेतु (यदि कोई हो) सन्दर्शित करें कि उपरिनामांकित का आवेदन क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज 20 के के के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0 618/2023
अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
श्रीमती गंगा देवी
बनाम
मुन्नाराम आदि
4. नन्दलाल 5. हीरालाल पुत्रगण राम आसरे 6. श्रीमती प्रमिला देवी पत्नी प्रमोद कुमार 7. श्री आंशू पुत्र प्रमोद कुमार नावालिगान ववलायत माता खुद प्रमिला देवी 8. मनोज कुमार पुत्र मेवालाल 9. श्रीमती अंजनी देवी पत्नी मेवालाल साकिन परसदमया तप्पा उमरा परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती 10. मुनिराम पुत्र राममिलन साकिन परसदमया तप्पा उमरा परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती 11. श्रीमती बतूल पत्नी शब्बीर अहमद साकिन सेहुड़ाखुर्द तप्पा रूधौली परगना बस्ती पूरव तहसील रूधौली जिला–बस्ती

तारीख पेशी 04–07–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 04 माह 07 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0 1305/2022
अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
गिरीश चन्द्र यादव
बनाम
रामयज्ञ आदि
1. रामयज्ञ उम्र 67 वर्ष पुत्र सत्तन निवासी ग्राम कटरा तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती पोस्ट गांधीनगर हाल मुकाम 17 बूढ़ापार गौर तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती
–प्रतिवादी प्रथम वर्ग
2. श्रीमती प्रभावती उम्र 40 वर्ष पत्नी राममहेश साकिन मिश्रौलिया तप्पा पड़िया परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती पोस्ट वाल्टरगंज
–प्रतिवादिनी द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 13–05–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 13 माह 05 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0 1063/2024
अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
राजेन्द्र प्रसाद
बनाम
राम पवित्र आदि
1. राम पवित्र 2. राधेश्याम 3. रामचेत 4. विशुनदेव 5. रमेश चन्द्र पुत्रगण बृजलाल साकिनान पिपरा जप्ती तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला–बस्ती
–प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग
6. गंगाराम 7. राजाराम पुत्रगण भदई 8. श्याम सुन्दर पुत्र उदयराज साकिनान पिपरा जप्ती तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला–बस्ती
–प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 15–07–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 15 माह 07 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0 19/2021
अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती
झिनकान
बनाम
उर्मिला देवी आदि
1. श्रीमती उर्मिला उपाध्याय पत्नी महेन्द्र उपाध्याय 2. राममणि पुत्र जगदीश 3. श्रीमती प्रभावती पत्नी जगदीश साकिनान भोयर उपाध्याय तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 16–07–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 16 माह 07 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 06 माह 05 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

विपक्षी व्यक्ति के नाम नोटिस
(धारा–63 अनुसूची–5 प्रपत्र सं0–1)
न्यायालय– श्रीमान अपर प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय बस्ती जिला–बस्ती
भरण पोषण वाद सं0 413/11A/2023
थाना–सोनहा
जिला–बस्ती
शान्ती देवी
बनाम
मनोज कुमार

तारीख पेशी 30–05–2024
प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 126 (2) द0प्र0सं0

विपक्षी–मनोज कुमार उम्र 32 साल पुत्र स्व0 प्रेमचन्द्र निवासी मौजा धौरहरी थाना सोनहा जिला–बस्ती
विपक्षी
के नाम
चूंकि आपकी उपस्थिति 125 सी. आर.पी.सी. के अपराध का उत्तर देने के लिए आवश्यक है अतएव आपको एतत द्वारा आदेश दिया जाता है कि स्वयं/अधिवक्ता द्वारा उपयुक्त न्यायालय के समक्ष सन् 2024 ई0 के 05 मास के 30 दिवस को उपस्थित हो। ऐसा करने में त्रुटि न हो।

सन् 20 ई0 मास के दिवस को हस्ताक्षरित हो।

हस्ताक्षर
अपर प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय बस्ती

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल bhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com